राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 03 जुलाई 2026 वर्ष-9, अंक-151 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-7490923915

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

तनाव में मणिपुर, नगा-कुकी में फिर टकराव

● समूहों के बीच फिर झड़प, उपद्रवियों ने 20 घरों को किया आग के हवाले

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के ामजोंग जिले में बुधवार को फिर से हिंसा ड़क गई। भारत-म्यांमार सीमा के पास के ंवों में नगा और कुकी गुटों के बीच हुई शस्त्र झड़पों में 20 से ज्यादा घर जला ए गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के नुसार, हिंसा की शुरुआत सुबह हुई जब की गांव के हथियारों से लैस लोगों ने नगा व पर हमला किया और कम से कम 10 रों में आग लगा दी। दोपहर में स्थिति और गड़ गई जब संदिग्ध उग्रवादियों और थयारों से लैस गांव के स्वयंसेवकों ने नाके के अन्य गांवों पर जवाबी हमले ए। बाद में हुई हिंसा में नगा समुदाय के म से कम 12 और घर जला दिए गए। प्रभावित गांवों में सुरक्षा बलों को भेजा गया और हालात सामान्य करने के लिए इलाके में कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, लेकिन कड़ी नजर रखी जा रही है। हालात को और बिगड़ने से रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। मणिपुर में इस साल मई में दो समुदाय बहुसंख्यक मैतेई और अल्पसंख्यक कुकी के बीच हिंसक झड़प देखने को मिली। इस हिंसा में अब तक कम से कम 130 लोग मारे गए हैं और 400 लोग घायल हुए हैं। हिंसा को रोकने के लिए सेना, अर्धसैनिक बलों और पुलिस के संघर्ष के कारण 60,000 से अधिक लोगों को अपने घरों से दूसरी जगहों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इन झड़पों के दौरान दोनों समुदायों ने कई जगहों पर तोड़फोड़ की और कई पुलिस थानों से हथियार भी लूट लिए। हिंसक झड़प के दौरान सैकड़ों चर्च और एक दर्जन से अधिक मंदिरों को भी तोड़ दिया गया और कई गाँव में आग लगा दी गई। मैतेई, कुकी और नगा मिलिशिया दशकों से परस्पर विरोधी मातृभूमि मांगों और धार्मिक मतभेदों को लेकर एक-दूसरे से लड़ते रहे हैं।

राजा रघुवंशी हत्याकांड : सोनम की जमानत के खिलाफ 'एससी' में सरकार

● मेघालय सरकार बोली-देश छोड़कर भाग सकती है

शिलांग (एजेंसी)। बीते साल 2025 में हुए राजा रघुवंशी हत्या मामले में अब एक नया मोड़ सामने आया है। मेघायल में हनीमून के दौरान पति की हत्या करने की आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी की जमानत के खिलाफ राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है।

मेघालय सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आरोपी की जमानत रद्द करने की मांग की है। मामले में सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की बेंच के सामने देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने गुरुवार को यह मामला उठाया।

टाइपिंग की गलती का फायदा उठाकर मिली जमानत- दरअसल, 29 जून को मेघालय हाईकोर्ट ने निचली अदालत के उस फैसले को सही ठहराया था, जिसमें सोनम रघुवंशी को जमानत दी गई थी। जमानत की वजह यह थी कि गिरफ्तारी के वक्त सोनम को गिरफ्तारी के पुख्ता आधार से जुड़े दस्तावेज पूरी तरह नहीं सौंपे गए थे। इस पर सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि कागजात न दे पाने की वजह एक टाइपिंग की छोटी सी गलती थी, जिसके कारण गलत कानूनी धारा का जिक्र हो गया था।

संक्षिप्त समाचार

भारत आ रहे जहाज को लूटने की कोशिश नाकाम

भारतीय नौसेना का बड़ा ऐक्शन बचाई क्रू मेंबर्स की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आ रहे एक जहाज को लूटने की कोशिश को भारतीय नौसेना ने नाकाम कर दिया है। ये जहाज अब पूरी तरह से सुरक्षित है। जहाज पर कल रात समुद्री लुटेरों का हमला हुआ था। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल ने समुद्री डकैती की एक कोशिश को नाकाम किया है।

बताया जा रहा है कि भारतीय नौसेना के मरीन कमांडो जहाज (गोल्डन आर्सेनल) पर चढ़े। इस जहाज पर ही लुटेरों का हमला हुआ था। जहाज पर एक भारतीय क्रू मेंबर भी मौजूद था। यह जहाज भारत के लिए जरूरी सामान लेकर जा रहा था। जहाज के क्रू ने खुद को एक सुरक्षित कमरे में बंद कर लिया और कम्युनिकेशन चैनल के जरिए डकैती की कोशिश की जानकारी दी।

बेंगलुरु में पत्थर खदान में चट्टान गिरी, 8 की मौत

सभी मजदूर बिहार के रहने वाले, 18 लोग काम कर रहे थे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में गुरुवार सुबह पत्थर खदान पर हुए हादसे में 8 मजूदरों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सभी मजदूर बिहार के रहने वाले थे। घटना के दौरान 18 मजदूर का कर रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, साउथ तालुक इलाके में मौजूद कावेरी क्रशर कंपनी की खदान में खनन चल रहा था। इसी दौरान 40 फीट ऊंचाई से चट्टान का बड़ा टुकड़ा मजदूरों पर गिरा। घटना में कई मजदूर घायल भी हुए हैं। सभी का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। एक्सकेवेटर चला रहे परशुराम ने बताया कि काम शुरू करने के लिए जैसे ही मैं मौके पर पहुंचे और मशीन चालू की, तभी पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया। मैं पक्के तौर पर नहीं कह सकता, लेकिन उस समय नीचे करीब 18 लोग काम कर रहे थे। हादसा इतना अचानक हुआ कि मजदूरों को संभलने का मौका नहीं मिला।

अब चीन का बांग्लादेश और म्यांमार में सीपीईसी जैसा प्लान

नार्थ ईस्ट में भारत को घेरने की तैयारी, बढ़ेगी टेंशन

बीजिंग (एजेंसी)। भारत के पूर्वी बॉर्डर के आसपास पकड़ बनाने के लिए चीन एक अहम प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर की तरह बीजिंग का प्लान अब म्यांमार के रास्ते चीन को बांग्लादेश से जोड़ने वाला गलियारा

बनाने का है। दक्षिण एशिया में अपने महत्वाकांक्षी कनेक्टिविटी प्लान के तहत चीन अरब सागर तक पहुंच बनाने के बाद बंगाल की खाड़ी तक जाने वाले रास्ते पर नजर जमाए हुए है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने ट्रांसनेशनल इकोनॉमिक कॉरिडोर का प्रस्ताव बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान की हालिया बीजिंग यात्रा के दौरान उनके सामने रखा है, जिस पर ढाका भी उत्साहित दिख रहा है। प्रस्ताव इसमें शामिल देशों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, व्यापार पर केन्द्रित रहेगा।

● पीएम मोदी ने सनाए को बताया अपनी छोटी बहन, कहा

विश्व पटल पर भारत-जापान मिलकर गढ़ेंगे नए 'आयाम'

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की पीएम सनाए तकाइची ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत-जापान वार्षिक समिट में हिस्सा लिया। इसके बाद साझा प्रेस वार्ता में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने दोनों देशों की साझेदारी को और सुदृढ़ करने का संकल्प दिया। प्रेस वार्ता की शुरुआत करते हुए पीएम मोदी ने जापानी प्रधानमंत्री तकाइची को अपनी छोटी बहन कह कर संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वो जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री भी हैं और एक दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता भी हैं। प्रधानमंत्री ताकाइची और मेरा विश्वास है कि टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप हमारे सहयोग का सबसे मजबूत स्तंभ बनेगी। इसी विजन को साकार करने के लिए, आज एआई के क्षेत्र में हमने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी किया है।

प्रधानमंत्री ने किया जी-7 समिट का जिक्र- पीएम मोदी ने आगे कहा कि सनाए तकाइची नारा प्रीफेक्चर से आती हैं, जो साझा बौद्ध विरासत का

केंद्र है। जी-7 में मैंने कहा था कि उथल पुथल के माहौल में यह एक वैश्विक स्ट्रेटजिक एसेट है। भारत-जापान की साझेदारी खरी उतरती है। पिछले कई दशकों में ऑटोमोटिव से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक में जापान ने भारत की ग्रोथ स्टोरी का हिस्सेदार बना है।

● **भारत और जापान दोनों ही विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था**- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों ही देशों को आर्थिक तौर पर काफी मजबूत बताते हुए आगे कहा, कि आज भारत और जापान दोनों ही विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में से हैं। एक स्वतंत्र, समृद्ध और नियम आधारित इंडो पैसिफिक हमारी साझा प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने तकनीकी क्षेत्र में हो रहे निवेश की चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि जापान की प्रीसिजन टेक्नोलॉजी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम वैश्विक एआई विकास को नई गति और शक्ति देगा।

डिफेंस, एआई से लेकर क्रिटिकल मिनरल्स पर बात

दोनों नेताओं के बीच निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, क्रिटिकल मिनरल्स, सप्लाई चेन, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय-वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। यह बैठक 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन का हिस्सा है। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में ताकाइची का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की सनाए ताकाइची को अपनी छोटी बहन बताया। उन्होंने कहा कि योर एक्सीलेंसी और मेरी छोटी बहन प्रधानमंत्री तकाइची। इंडिया-जापान एनुअल समिट के लिए प्रधानमंत्री तकाइची का भारत में अपनी पहली यात्रा पर स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। वे जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री भी हैं और एक दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता भी हैं।

पटना के बांकीपुर उपचुनाव की घोषणा

● 30 जुलाई को डाले जाएंगे वोट, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की है सीट

पटना (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने पटना की बेहद वीआईपी मानी जाने वाली बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। इस सीट पर आगामी 30 जुलाई को वोट डाले जाएंगे। यह सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। बांकीपुर सीट को भाजपा का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता है, इसलिए इस उपचुनाव पर न सिर्फ सत्ता पक्ष बल्कि विपक्ष की भी पैनी नजरें टिकी हुई हैं। चुनाव की तारीखें सामने आते ही पटना में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। पटना की हाई-प्रोफाइल बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया गया है। यह चुनाव बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के विधायक पद से इस्तीफे के कारण हो रहा है।

● **भाजपा का अभेद्य किला मानी जाती बांकीपुर सीट**- पटना शहर की बांकीपुर सीट को राजनीतिक विश्लेषक भाजपा का अभेद्य किला मानते हैं। पिछले कई चुनावों से यहां विपक्षी दलों को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। नितिन नवीन से पहले भी यह सीट भाजपा के ही खाते में रही है। शहरी मतदाताओं की बहुलता वाली इस सीट पर इस बार उपचुनाव में एनडीए, जन सुराज पार्टी और महागठबंधन के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की उम्मीद जताई जा रही।

ममता से अलग हुआ बागी गुट बोला-हम असली टीएमसी

चुनाव आयोग से मुलाकात की, कहा-जल्द से जल्द फैसला लें

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने गुरुवार दोपहर चुनाव आयोग से मुलाकात की। बागी गुट का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिला। विधायकों ने पार्टी में हुए संगठनात्मक बदलावों और नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी को मान्यता देने की मांग की। मुलाकात के बाद बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने कहा- हम ही असली टीएमसी हैं, चुनाव आयोग ने हमारी बात सुनी। उम्मीद है वे जल्द फैसला लेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में 22 जून को कोलकाता में प्रतिनिधि बैठक हुई थी। इसमें नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया था। बंगाल चुनाव में हार के बाद 3 जून को टीएमसी टूट गई थी।

बंगाल में भी महाराष्ट्र जैसी बगावत- 20 जून 2022 को महाराष्ट्र में शिवसेना के 55 में से 40 विधायक एकनाथ शिंदे के साथ गए। तब उद्धव सीएम थे। राज्यपाल ने उन्हें फ्लोर टेस्ट को कहा। उद्धव सुप्रीम कोर्ट गए, लेकिन कोर्ट ने फ्लोर टेस्ट नहीं रोका तो उद्धव ने इस्तीफा दे दिया। 30 जून 2022 को शिंदे भाजपा के समर्थन से सीएम बन गए। फिर दोनों गुट एक-दूसरे के विरोधी हो गए।

आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने की तैयारी

● पुलिस जांच के लिए एक बार फिर राम मंदिर पहुंची ● चंपत राय पर एफआईआर के लिए वकीलों का प्रदर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब ट्रस्ट के सदस्यों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। पहली बार राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास महाराज ने पूर्व पदाधिकारी गोपाल राव पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा- पूरी गलती गोपाल राव की है।

वे राजनीति कर रहे हैं। वो सबको उलझा देते हैं। वो राम की परंपरा नहीं मानते। गोपाल राव राम मंदिर के निर्माण प्रभारी और ट्रस्ट

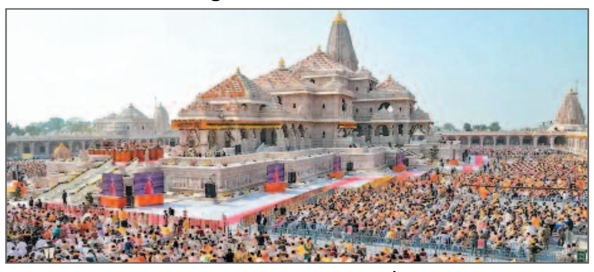

के आमंत्रित सदस्य थे। मूल रूप से कर्नाटक के रहने वाले हैं। इस बीच, सुबह 11.45 बजे अयोध्या में 500 से ज्यादा वकील सड़क पर उतर आए। चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव पर एफआईआर की मांग कर नारेबाजी की। सिविल लाइन चौकी जाकर उन तीनों समेत 4 लोगों के खिलाफ शिकायत दी।

ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा से पूछताछ संभव

पुलिस ने अयोध्या जेल में 30 जून को आरोपी अविनाश शुक्ला से पूछताछ की थी, अब आगे जांच कर रही है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से रविवार को 3 घंटे पूछताछ हो चुकी है। अब उसे क्रॉस चेक करने के लिए अनिल मिश्रा से आज पूछताछ हो सकती है। आरोपियों लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा की नियुक्ति में उनके रोल की पड़ताल करेगी। चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। यूपी सरकार ने 13 जून को एसआईटी बनाई।

मंत्री एके शर्मा बोले- कमियां ठीक करेंगे दोषी को सजा देंगे

यूपी में मंत्री एके शर्मा ने कहा- राम मंदिर का मुद्दा पूरे भारत के लिए आस्था का विषय है। हम सभी के मन में भगवान राम के प्रति आस्था है। हम सभी राम भक्त हैं। राम की भक्ती में कहीं कोई कमी नहीं आई है। ये दिन प्रतिदिन प्रबल होती जा रही है। हमारी व्यवस्थाओं में यदि कोई कमियां रही होंगी तो उन्हें ठीक किया जाएगा। जो लोग दोषी होंगे उन्हें दंडित किया जाएगा। चढ़ावा चोरी के आरोपी अविनाश शुक्ला से पूछताछ करने के लिए गुरुवार को अयोध्या पुलिस ने कोर्ट में रिमांड अर्जी दाखिल की है।

विभाजन के बाद भारत आने वाले लोग शरणार्थी नहीं, योद्धा थे

● भागवत ने विस्थापितों के संघर्ष को सराहा, कहा-वह वीर थे ● बोले-धर्म के प्रति प्रेम के कारण कठिनाइयों और दर्द को झेला ● विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए कभी हार नहीं मानी

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि 1947 के विभाजन के बाद भारत आने वाले लोग शरणार्थी नहीं थे, बल्कि संघर्ष के योद्धा थे जिन्होंने मातृभूमि और धर्म के प्रति प्रेम के कारण कठिनाइयों और दर्द को झेला। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने पाकिस्तान में अपनी संपत्ति और व्यवसाय छोड़कर भारत आने का निर्णय लिया। भागवत नागपुर में सिंधु एजुकेशन सोसाइटी के 75वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस सोसाइटी का संचालन सिंधी समाज की ओर से किया जाता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि विभाजन के बाद इन लोगों ने जानबूझकर भारत आने का निर्णय लिया, क्योंकि वे उस भूमि में रहना चाहते थे जहां वे बिना

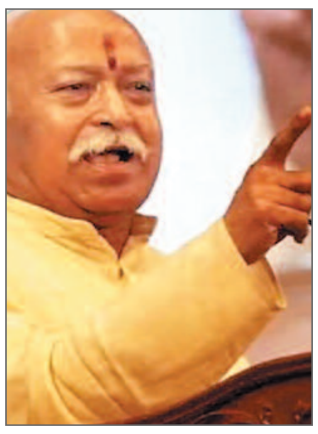

किसी डर के अपने धर्म का पालन कर सकें। उन्होंने कहा-वे शरणार्थी नहीं थे, हालांकि वे विस्थापित थे। वे योद्धा थे जिन्होंने अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम के चलते कष्ट झेला। उन्होंने करियर या धन नहीं, बल्कि देश और धर्म को चुना। जीवन की कठिनाइयों पर उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए किसी को हार नहीं माननी चाहिए, बल्कि फिर से उठने का प्रयास करना चाहिए। अंततः सफल भी वही होता है। उन्होंने सिंधु एजुकेशन सोसाइटी की 75 वर्षों की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे पड़ाव किसी संस्था के किए गए कामों की समीक्षा करने और उसके लक्ष्यों को याद करने का मौका देते हैं।

एनडीए का मिशन 360: अब डीएमके एनसीपी और सपा में सेंध की तैयारी

लोकसभा में दो-तिहाई का आंकड़ा पाने की कोशिश है जारी

अब 41 सांसदों की जरूरत, बड़े संवैधानिक बदलाव करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार सियासी तस्वीर बदलने के लिए 'मिशन 360' में जुटे हैं। 17 अप्रैल को महिला आरक्षण व परिसीमन से जुड़े बिल

पर लोकसभा में झटका लगने के बाद ही भाजपा ने संसद में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की रणनीति तेज कर दी थी। पार्टी का फोकस केवल इसी विधेयक तक सीमित नहीं बल्कि 'एक देश-एक चुनाव' और न्यायिक सुधारों जैसे बड़े संवैधानिक बदलावों के लिए जरूरी 'सुपर मेजोरिटी' हासिल करने पर है। इसके लिए भाजपा विपक्षी दलों में टूट, नए सहयोगी जोड़ने और जरूरत पड़ने पर मतदान के समय विपक्ष की गैरहाजिरी जैसे विकल्पों पर नजर रखे है। इसे संसद के मानसून सत्र तक पूरा करने का टारगेट है।

उद्धव गुट के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल- हाल ही में टीएमसी के 20 सांसदों के अलग होकर एनडीए को समर्थन करने और शिवसेना (उद्धव) के 6 सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने के बाद इस कयास को और बल मिल गया है। हालांकि इस जोड़तोड़ के बावजूद दो-तिहाई बहुमत के लिए 41 और सांसदों की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्लास्टिक बैग से जकड़ी जीवन- शैली से पर्यावरण तबाह

प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं।

(लेखक - ललित गर्ग)

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस (3 जुलाई 2026) पर विशेष)

पृथ्वी आज जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है।

आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सब्ज़ी और किराने की खरीदारी से लेकर कपड़े, दवाइयाँ, भोजन, ऑनलाइन डिलीवरी, उपहार पैकिंग और घरेलू सामान तक लगभग हर कार्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग हो रहा है। सुविधा और सस्तेपन के कारण इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे हमारा जीवन मानो प्लास्टिक की गिरफ्त में आ गया है। एक बार उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये बैग पर्यावरण, जल स्रोतों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम कपड़े, जूट या कागज़ के थैलों को अपनाकर प्लास्टिक बैग से मुक्ति का संकल्प लें।

प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं। इस प्रकार प्लास्टिक केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के पूरे जैविक तंत्र को नष्ट कर रहा है। विडम्बना यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है और यही सुविधा सबसे बड़ा संकट बन गई है। कुछ मिनटों के उपयोग के लिए बना प्लास्टिक बैग सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जिस वस्तु का उपयोग हम कुछ मिनट करते हैं, उसका दुष्प्रभाव कई पीढ़ियाँ भुगतती हैं। सुविधा की यह संस्कृति वास्तव में विनाश की संस्कृति बनती जा रही है।

भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर चुनौती है। देश में प्रतिदिन हजारों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका बड़ा भाग खुले में पड़ा रहता है या नदियों एवं समुद्र तक पहुँच जाता है। विभिन्न राज्यों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है, किन्तु प्रतिबंध का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब समाज स्वयं इसके प्रति जागरूक होगा। केवल कानून से आदतें नहीं बदलतीं, उसके लिए सामाजिक चेतना आवश्यक होती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में अनेक सकारात्मक पहल की हैं। स्वच्छ भारत अभियान, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व जैसी नीतियाँ महत्त्वपूर्ण कदम हैं। किंतु इनकी सफलता तभी संभव है जब उद्योग, व्यापार, स्थानीय निकाय और आम नागरिक समान रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

आज आवश्यकता केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने की है। जब तक हमारी खरीदारी की आदतें नहीं बदलेंगी, तब तक प्लास्टिक का उपयोग कम नहीं होगा। कपड़े या जूट का थैला साथ रखना, पुनः उपयोग योग्य बोतलों और डिब्बों का प्रयोग करना, अनावश्यक पैकेजिंग से बचना तथा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना-ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। उद्योगों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उत्पादों की पैकेजिंग को पर्यावरण-अनुकूल बनाना, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग करना और प्लास्टिक कचरे के संग्रह एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की माँग है।

लाभ कमाने की मानसिकता से प्रकृति का संरक्षण संभव नहीं है। उद्योगों को 'ग्रीन बिजनेस' की दिशा में आगे बढ़ना होगा। शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यदि विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरणीय जीवनशैली को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, बच्चों को कपड़े के थैले उपयोग करने, प्लास्टिक-मुक्त परिसर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ा जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक संवेदनशील बनेंगी। पर्यावरण शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक का विषय नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बननी चाहिए।

आज पूरी दुनिया 'सर्कुलर इकोनॉमी' की ओर बढ़ रही है, जहाँ उत्पादों का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और संसाधनों का न्यूनतम दोहन प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए भी यही भविष्य का मार्ग है। यदि हम पारंपरिक भारतीय जीवन-पद्धति को देखें तो वहाँ कपड़े के झोले, मिट्टी के बर्तन, धातु के पात्र और प्राकृतिक संसाधनों का पुनः उपयोग सामान्य जीवन का हिस्सा थे। आधुनिकता के नाम पर हमने इन्हें छोड़ दिया और प्लास्टिक को अपना लिया। अब समय आ गया है कि आधुनिक विज्ञान और भारतीय परंपरा का समन्वय करते हुए टिकाऊ जीवनशैली अपनाई जाए। यह भी समझना होगा कि प्लास्टिक प्रदूषण केवल सरकार का विषय नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले ले कि वह प्लास्टिक बैग स्वीकार नहीं करेगा, उसी दिन इस समस्या का बड़ा समाधान प्रारम्भ हो जाएगा। बाजार वही वस्तु देता है जिसकी माँग होती है। यदि माँग समाप्त होगी तो आपूर्ति भी स्वतः कम हो जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हमें केवल प्लास्टिक छोड़ने का संदेश नहीं देता, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारे पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। यदि हम इसे सुरक्षित नहीं रख पाए तो विकास के सारे दावे अर्थहीन हो जाएँगे। महात्मा गांधी ने कहा था- ''प्रकृति प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।'' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग हमारी आवश्यकताओं का नहीं, बल्कि उपभोक्तावादी लालच का परिणाम है।

आइए इस 3 जुलाई को केवल एक दिवस न मानें, बल्कि एक जन-आंदोलन का प्रारंभ करें। अपने घर, परिवार, विद्यालय, कार्यालय और बाजार से प्लास्टिक बैग को विदा करने का संकल्प लें। कपड़े का थैला हमारी पहचान बने, पर्यावरण हमारी प्राथमिकता बने और स्वच्छ पृथ्वी हमारी विरासत बने। जब प्लास्टिक का उपयोग घटेगा, तभी प्रकृति मुस्कुराएगी, जब प्रकृति मुस्कुराएगी, तभी मानवता का भविष्य सुरक्षित होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस का वास्तविक संदेश है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा पर्यावरणीय धर्म भी।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

संपादकीय

बेलगाम होता भ्रष्टाचार

नौकरशाही का भ्रष्टाचार एक नासूर बन गया है। केंद्र और राज्य सरकारों के तमाम दावों के बाद भी नौकरशाहों के भ्रष्टाचार पर कहीं कोई प्रभावी लगाम लगती नहीं दिखती। सीबीआई की ओर से तीन करोड़ रुपये की रिश्वतखोरी के मामले में आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत की गिरफ्तारी प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार की ओर फिर से ध्यान आकर्षित कर रही है। दीपक गहलावत को जिस मामले में गिरफ्तार किया गया, वह नकली दवा बनाने वाले रैकेट की जांच से जुड़ा है। इस रिश्वतखोरी कांड के समय गहलावत नागरिक उड्डयन महानिदेशालय में क्षेत्रीय निदेशक के पद पर तैनात थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने तीन करोड़ रुपये की रिश्वत के बदले अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए नकली दवा बनाने के आरोपित कारोबारी को सीबीआई जांच से बचाने का भरोसा दिया। उन्होंने जांच एजेंसी के अधिकारियों पर इसके लिए दबाव भी बनाया। कहना कठिन है कि इस मामले की तह तक पहुंचने और दीपक गहलावत को उनके किए की सजा दिलाने में कितना वक्त लगेगा, लेकिन यह एक तरह से बाड़ खेत को खाए वाला एक और मामला है। यह लगातार देखने में आ रहा है कि रह-रह कर ऐसे अधिकारी सामने आते ही रहते हैं, जो गंभीर किस्म के भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाते हैं। उनकी गिरफ्तारी भी होती है और उनके पास से अकूल संपत्ति भी बरामद होती है, लेकिन यह बहुत कम सुनने को मिलता है कि उन्हें कठोर दंड का भागीदार बनाया गया। भ्रष्ट अधिकारियों को समय रहते दंड न दिए जाने का परिणाम यह है कि उनका भ्रष्टाचार बेलगाम है। कुछ मामले तो ऐसे सामने आते हैं, जो खुले-नग्न भ्रष्टाचार की कहानी कहते हैं। इन दिनों ऐसा ही एक मामला दिल्ली में सरकारी अस्पतालों के लिए दवाएं और मेडिकल उपकरणों की खरीद में घोटाले का है। यह घोटाला 650 करोड़ रुपये का बताया जा रहा है। वास्तव में यह घोटाला नहीं एक तरह की खुली लूट थी। इसे इससे समझा जा सकता है कि बिना जरूरत कई गुना महंगे दामों पर दवाएं और मेडिकल उपकरण खरीदे गए। ऐसा लगता है कि किसी को नियम-कानूनों की कहीं कोई परवाह नहीं थी। इस मामले में स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्व महानिदेशक डा. वत्सला अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया है। इस घोटाले में किस तरह करोड़ों के वारे-न्यारे किए जा रहे थे, यह इससे समझा जा सकता है कि 650 करोड़ रुपये में से करीब 50 प्रतिशत भ्रष्ट अधिकारियों-कर्मचारियों की जेब में गए। नौकरशाही का भ्रष्टाचार एक नासूर बन गया है। केंद्र और राज्य सरकारों के तमाम दावों के बाद भी नौकरशाहों के भ्रष्टाचार पर कहीं कोई प्रभावी लगाम लगती नहीं दिखती। भ्रष्ट नौकरशाही केवल सरकारी खजाने को लूटने का काम ही नहीं कर रही है, वह आम लोगों की समस्याएं बढ़ाने का भी काम कर रही है, क्योंकि जब भी कहीं भ्रष्टाचार होता है तो उससे कहीं न कहीं सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता से समझौता भी होता है।

जीवन का माधुर्य मानवता का प्रकाश

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

मानवता से महकता है जीवन

भगवान महावीर ने मानव जीवन का सबसे बड़ा संदेश मानवता को माना है। उनका स्पष्ट कथन था कि मनुष्य सबसे पहले मानवता को अपने जीवन में धारण करे, क्योंकि मानवता ही जीवन का वास्तविक माधुर्य है। जिस प्रकार एक फूल बिना किसी को बुलाए अपनी सुगंध से पूरे वातावरण को महका देता है और भौंरे स्वयं उसकी ओर आकर्षित होकर चले आते हैं, उसी प्रकार जिस व्यक्ति के भीतर मानवता के गुण विकसित हो जाते हैं, उसका जीवन अपने आप समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। वह केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का कल्याण करने वाला बन जाता है। मानवता का अर्थ केवल मनुष्य का शरीर धारण करना नहीं है, बल्कि अपने विचारों, व्यवहार, वाणी और कर्मों में प्रेम, करुणा, दया, विनम्रता और सेवा की भावना को विकसित करना है। यही गुण जीवन को मधुर बनाते हैं और मनुष्य को सच्चे अर्थों में महान बनाते हैं।

मनुष्य को ईश्वर ने मन, वाणी और इन्द्रियों जैसी अमूल्य शक्तियाँ प्रदान की हैं। इनका उद्देश्य केवल भौतिक सुख प्राप्त करना नहीं, बल्कि आत्मविकास और समाजहित में उनका सदुपयोग करना है। यदि मन शुभ विचारों से भरा होगा, वाणी मधुर होगी और इन्द्रियाँ संयमित होंगी तो जीवन स्वतः सार्थक बन जाएगा। इसके विपरीत यदि मन ईर्ष्या, द्वेष, क्रोध और अहंकार से भर जाए तो मनुष्य का जीवन अशान्ति और संघर्ष का कारण बन जाता है। शरीर से मनुष्य होने के बावजूद यदि उसकी सोच हिंसक, स्वार्थी और क्रूर हो जाए तो वह मानवता से दूर होकर पाशविक प्रवृत्तियों का शिकार बन जाता है। तब उसके भीतर भेड़िए की आक्रामकता, सर्प की विषैली प्रवृत्ति और कुत्ते जैसी लड़ाकू मानसिकता दिखाई देने लगती है। भगवान महावीर का संदेश है कि मनुष्य समय-समय पर अपने भीतर झाँके और देखे कि कहीं ऐसी प्रवृत्तियाँ उसके जीवन में तो प्रवेश नहीं कर रही हैं।

मानवता का सबसे महत्वपूर्ण आधार भद्रता और सरलता है। आज के समय में सरल और निष्कपट व्यक्ति को अक्सर मूर्ख समझ लिया जाता है, जबकि वास्तविक महानता उसी में निहित है। जो व्यक्ति छल, कपट और दंभ से मुक्त होकर बालक की तरह निर्मल हृदय रखता है, वही सच्चा भद्र मनुष्य कहलाता है। लेकिन केवल सरल होना ही पर्याप्त नहीं है। उसके साथ विवेक का प्रकाश भी आवश्यक है। विवेक मनुष्य को सही और गलत का अंतर समझाता है तथा उसे उचित मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। यदि सरलता के साथ विवेक जुड़ जाए तो जीवन संतुलित और सफल बन जाता है।

मानव जीवन में विनय का विशेष महत्व है। भगवान महावीर ने धर्म का मूल ही विनय को बताया है। विनम्रता मनुष्य को ज्ञान प्राप्त करने योग्य बनाती है। अभिमान से भरा हुआ व्यक्ति चाहे कितना भी विद्वान क्यों न हो, वह जीवन का वास्तविक ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकता। जिस प्रकार हीरा सोने में जड़ा जाता है क्योंकि उसमें लचीलापन होता है, उसी प्रकार अहिंसा, सत्य, दया, प्रेम और करुणा जैसे महान गुण उसी व्यक्ति के जीवन में स्थान पाते हैं, जिसके भीतर विनम्रता होती है। इसलिए मनुष्य को अपने जीवन को सोने के समान विनम्र और मूल्यवान बनाना चाहिए। हालांकि भगवान महावीर यह भी बताते हैं कि दिखावटी नम्रता से सावधान रहना चाहिए, क्योंकि दुष्ट व्यक्ति अक्सर झुककर ही दूसरों को धोखा देता है। इसलिए विनय के साथ विवेक का होना भी आवश्यक है। अहंकार मनुष्य के पतन का सबसे बड़ा कारण है। रावण इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। वह स्वयं को सबसे श्रेष्ठ मानता था और इसी अहंकार ने उसका सर्वनाश कर दिया। इसके विपरीत विनम्र व्यक्ति निरंतर सीखता है, आगे बढ़ता है और समाज में सम्मान प्राप्त करता है। जो व्यक्ति अपने कर्तव्य को समझता है और दूसरों के हित को अपने हित से ऊपर रखता है, उसका जीवन वास्तव में सफल माना जाता है। मानवता का अर्थ केवल अच्छे विचार रखना नहीं, बल्कि उन्हें व्यवहार में उतारना भी है।

मानवता की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति भावना की पवित्रता में दिखाई देती है। मासखमण के एक तपस्वी संत के सामने एक निर्धन बालक का प्रसंग इसका अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। बालक की माता अत्यंत गरीब थी, लेकिन उसने मेहनत करके दूध, चावल और शक्कर एकत्र किए और अपने पुत्र के लिए खीर बनाई। जब संत उसके घर पहुँचे तो बालक ने अत्यंत श्रद्धा और आनंद के साथ पूरी खीर उनके पात्र में अर्पित कर दी। संत ने जब पूछा कि अपने लिए कुछ क्यों नहीं रखा, तब बालक ने कहा कि आज उसकी सबसे बड़ी इच्छा पूरी हो गई है, इसलिए अब उसे न भूख है और न प्यास। यह केवल भोजन का दान नहीं था, बल्कि श्रद्धा, समर्पण और विनय की सर्वोच्च अभिव्यक्ति थी। यही भाव दान को महान बनाते हैं और यही मानवता का वास्तविक स्वरूप है।

ऐसी ही एक घटना एक गरीब बनिए की भी है, जो लोगों के घर पानी भरकर अपना जीवन चलाता था। उसने संत से आग्रह किया कि वे कभी उसके घर भी पधारें। जब संत उसके घर पहुँचे तो वहाँ केवल कच्चे पापड़ थे। संत ने प्रेमपूर्वक वही स्वीकार किए और उन्हें अत्यंत आनंद के साथ ग्रहण किया। उस साधारण पापड़ में श्रद्धा, प्रेम और आत्मीयता का जो स्वाद था, वह किसी राजभोग से कम नहीं था। उसी क्षण सुदामा और श्रीकृष्ण की कथा स्मरण हो आती है, जहाँ मुट्ठी भर चावलों में भी प्रेम का अनमोल धन समाया हुआ था। वस्तु का मूल्य उसके आकार या कीमत से नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी भावना से होता है।

आज समाज में दान और सेवा के पीछे भी अक्सर प्रसिद्धि और स्वार्थ की भावना दिखाई देती है। थोड़ी-सी सहायता देकर लोग बड़े फल की अपेक्षा करने लगते हैं। जबकि वास्तविक दान वही है जिसमें प्रदर्शन नहीं, बल्कि समर्पण हो। बीज जब धरती में दबता है तभी विशाल वृक्ष बनता है। उसी प्रकार निस्वार्थ भाव से किया गया दान ही समाज और आत्मा दोनों का कल्याण करता है। भावना का माधुर्य ही दान को अमर बना देता है। यही कारण है कि बालक की निष्कपट भावना को इतना महान माना गया कि उसका जीवन अगले जन्म में भी पुण्य का अधिकारी बना।

भगवान महावीर का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था। संसार में शांति, सद्भाव और प्रेम की स्थापना केवल कानूनों से नहीं, बल्कि मानवता के गुणों से ही संभव है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी वाणी में मधुरता, व्यवहार में विनम्रता, विचारों में पवित्रता और कर्मों में करुणा को स्थान दे, तो परिवार, समाज और राष्ट्र सभी सुख, शांति और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। मानवता ही जीवन का वास्तविक सौंदर्य, वास्तविक धर्म और वास्तविक सफलता है। यही वह सुगंध है जो व्यक्ति के जीवन को अर्थपूर्ण बनाती है और उसके व्यक्तित्व को युगों तक प्रेरणा का स्रोत बनाए रखती है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

(चिंतन- मनन)

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा- कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

विचार मंथन

ईरान का आमंत्रण, भारत के लिए रिश्ते सुधारने का एक मौका

(लेखक- सनत जैन)

समय के साथ बदलाव आते हैं पिछले कुछ वर्षों में भारत की इजराइल के साथ नजदीकी बढ़ती रही और ईरान के साथ दूरी बढ़ती गई। भारत को ऐसा लगता था कि अमेरिका और इजराइल अजेय हैं। भारत ने ईरान की उपेक्षा शुरू कर दी।

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे धर्मगुरु अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ईरान की सरकार ने दुनिया के सैकड़ों राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और शासकों को उनके अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। ईरान की सरकार ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, कांग्रेस के नेता पवन खेड़ा, पूर्व केंद्रीय विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और जैन संत जो अहिंसा विश्वा भारती के संस्थापक हैं आचार्य लोकेश मुनि को भी आमंत्रण भेजा है। जैन मुनि ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि वह शांति और सद्भाव के लिए ईरान जाएंगे। अमेरिका के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिक पार्टी के नेता भी ईरान जा रहे हैं। इस अवसर पर लगभग 2 करोड़ लोग खामनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए ईरान में एकत्रित हो रहे हैं। भारत सरकार की ओर से जो शुरुआती संकेत मिले हैं, उसके अनुसार भारत सरकार का प्रतिनिधित्व बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा करेंगे। भारत के साथ ईरान के बहुत पुराने सांस्कृतिक एवं राजनीतिक रिश्ते रहे हैं। दोनों देशों के बीच में शिक्षा, व्यापार और संस्कृति को लेकर बड़े घनिष्ठ संबंध रहे हैं। पिछले कई दशकों में जब भी भारत को ईरान की जरूरत पड़ी ईरान भारत के साथ खड़ा रहा। पिछले कुछ वर्षों में भारत की नजदीकी अमेरिका और इजराइल के साथ बढी। इसके साथ ही भारत और ईरान के संबंधों में वह मधुरता नहीं रही जो उसके पहले होती थी। ईरान ने भारत के साथ राजनीतिक, कूटनीतिक और व्यापारिक संबंध हमेशा बनाए रखे। यहां तक की जब अमेरिका ने ईरान के ऊपर प्रतिबंध लगाए उस समय ईरान सरकार ने भारत को भारतीय मुद्रा में न केवल कच्चा तेल सप्लाई किया वरन उतनी ही कीमत का सामान भारत से आयात करके अपने रिश्तों को बेहतर बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया।

समय के साथ बदलाव आते हैं पिछले कुछ वर्षों में भारत की इजराइल के साथ नजदीकी बढ़ती रही और ईरान के साथ दूरी बढ़ती गई। भारत को ऐसा लगता था कि अमेरिका और इजराइल अजेय हैं। भारत ने ईरान की उपेक्षा शुरू कर दी। भारत की विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव आ गया। ईरान और भारत के रिश्तों में एक बड़ा तनाव तब देखने को मिला जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल जाकर यह कह दिया कि इजराइल फादरलैंड है। उसके दो दिन बाद इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका और इजराइल को इस युद्ध में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान आज एक विजेता के रूप में फिर से एक महत्वपूर्ण स्थिति में आ गया है। ईरान की सरकार अभी भी भारत के साथ अपने पुराने रिश्तों को ध्यान में रखते हुए अपने संबंध बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ दिख रहा है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को जो रिश्ते बिगड़ चुके हैं उनको एक बार फिर पटरी में लाने का मौका है। अमेरिका और इजराइल के हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई सहित कई बड़े योद्धा तथा ईरान के स्कूल में पढ़ने वाली 165 से ज्यादा बच्चियों की मौत हुई थी। उस समय भारत ने चुप्पी साध रखी थी। भारत ने ईरान के अनुरोध करने के बाद भी ब्रिक्स संगठन देशों की बैठक नहीं बुलाई। अब स्थिति बहुत हद तक साफ हो चुकी है। ऐसे समय पर भारत सरकार को ईरान के साथ अपने रिश्ते बेहतर बनाने के लिए दुख की इस घड़ी में ईरान जाकर घाव में मलहम लगाने की जरूरत है। इस मौके पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन लोगों को ईरान ने आमंत्रित किया है, उनमें शामिल हैं। उन्हें भारतीय दल के रूप में साथ ले जाकर ईरान के साथ भारत के रिश्ते फिर बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इस समय जो अवसर मिला है, इसका लाभ उठाया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईवी की हिस्सेदारी 2030 तक 20 प्रतिशत पहुंचने से एक लाख करोड़ रुपए कम हो सकता है आयात बिल- एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया संकट के चलते भारतीयों का इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तरफ रुझान बढ़ा है और 2030 तक ईवी की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत पहुंचने से आयात बिल में एक लाख करोड़ रुपए की कमी आ सकती है। यह जानकारी एसबीआई रिसर्च की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। मौजूदा समय में भारतीय बाजार में ईवी की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है। अमेरिका-ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू होने के बाद भारत में ईवी के पंजीकरण में जोरदार तेजी देखने को मिली। मार्च-जून की अवधि में देश में औसत 2.3 लाख ईवी प्रति माह पंजीकृत हुए हैं, यह आंकड़ा 2025 में औसत 1.3 लाख प्रति माह था। रिपोर्ट में कहा गया, ÷मौजूदा रफ्तार को देखते हुए, हमें लगता है कि 2026 में कुल ईवी पंजीकरण 25 लाख का आंकड़ा पार कर सकते हैं।÷ कुल पंजीकरण में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। 2024 में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम थी, जो 2026 में अब तक बढ़कर 8 प्रतिशत से अधिक हो गई है। कुछ राज्यों में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 29,151 चार्जिंग स्टेशन हैं। कुल चार्जिंग स्टेशनों में से 35 प्रतिशत सिर्फ दो राज्यों (कर्नाटक और महाराष्ट्र) में हैं। नई ईवी पॉलिसी के तहत, दिल्ली सरकार अगले चार सालों में 32,000 चार्जिंग पॉइंट का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की योजना बना रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, ÷ईवी की सफलता काफी हद तक चार्जिंग स्टेशनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।÷ भारत में 2025 तक 2.86 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थीं और यह आंकड़ा 2030 तक 4 करोड़ गाड़ियों तक पहुंचने का अनुमान है। इन गाड़ियों में से 20 प्रतिशत ईवी होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी की तारीफ की गई, जिससे तहत पहले तीन सालों में दो-पहिया गाड़ियों के लिए खरीद पर इंसेंटिव (कुल मिलाकर 60,000 रुपए) दिया जाएगा। तीन-पहिया गाड़ियों के लिए, कुल इंसेंटिव 1,20,000 रुपए है। एन1 कमर्शियल ट्रकों को पहले साल में 1 लाख रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। दिल्ली में ईवी के लिए रोड टैक्स और एक बार की रजिस्ट्रेशन फीस पर 100 प्रतिशत छूट दी गई है।

'यूजरनेम' फीचर को व्हाट्सएप ने बताया वैकल्पिक, कहा-फोन नंबर की तरह ही नहीं होगा पाएगा सर्च

नई दिल्ली।

व्हाट्सएप ने अपने नए 'यूजरनेम' फीचर को लेकर एफएक्यू (लगातार पूछे जाने वाले सवालों के जवाब) जारी किया है, जिसमें सोशल मीडिया कंपनी ने कहा कि 'यूजरनेम' फीचर अनिवार्य नहीं, बल्कि वैकल्पिक है। सोशल मीडिया पर जारी इस एफएक्यू में 'यूजरनेम' फीचर की प्राइवेसी पर व्हाट्सएप ने कहा कि जैसे आप व्हाट्सएप में किसी अनजान का फोन नंबर नहीं खोज सकते, वैसे ही आप यूजरनेम भी नहीं खोज सकते हैं। साथ ही, अनचाहे संपर्क को रोकने के लिए सभी मौजूदा उपाय लागू रहेंगे, जिनमें अनजान मैसेज भेजने वालों के बारे में जानकारी देने वाली चेतावनियां (जैसे कि क्या वे नया अकाउंट हैं, क्या आप कोई ग्रुप शेयर करते हैं, या वे किस देश में हैं) और ब्लॉक व रिपोर्ट करने की सुविधा शामिल है। इसके अलावा, कंपनी यूजर्स को सलाह दी कि किसी को आपसे संपर्क करने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप एक यूजरनेम की जोड़ें और ऐसा यूजरनेम चुनें जो व्हाट्सएप पर यूनिक हो। व्हाट्सएप ने आगे कहा कि अगर कोई यूजरनेम इंस्टाग्राम या फेसबुक पर किसी यूजर के द्वारा उपयोग हो रहा है, तो वह उनके लिए रिजर्व होगा। इसके साथ व्हाट्सएप ने कहा ही कि लोग लोकप्रिय या जाने-माने यूजरनेम रिजर्व करने के बारे में जो दावे कर रहे हैं, वह सच नहीं है, सिर्फ असली अकाउंट के मालिक ही मशहूर सार्वजनिक हस्तियों के नाम रिजर्व कर सकते हैं। हमने इस साल के आखिर में यूजरनेम लॉन्च होने से पहले ही रिजर्वेशन की सुविधा शुरू कर दी है, क्योंकि हमें लगता है कि लोग इस बात को लेकर काफी उत्साहित होंगे कि वे व्हाट्सएप पर कौन सा यूजरनेम चाहते हैं। हम इसमें जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं और लोगों की राय भी सुन रहे हैं, ताकि जब इसे इस साल के आखिर में लॉन्च किया जाए, तो यह बिल्कुल सही हो।

लगातार दूसरे दिन बाजार में छाई हरियाली, सेंसेक्स में 579 अंकों की उछाल आईटी सेक्टर ने किया बेहतर प्रदर्शन

मुंबई।

अमेरिका और ईरान के बीच व्यापार वार्ता के सकारात्मक संकेतों के चलते तेल की कीमतों में गिरावट आने से गुरुवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे कारोबारी दिन तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी50, दोनों में 0.70 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत या 579.48 अंक बढ़कर 77,502.12 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 0.71 प्रतिशत यानी 169.85 अंक बढ़कर 24,175.70 पर बंद हुआ। दिन के सत्र में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,922.64 से 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77083.14 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 656.28 अंकों यानी 0.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,578.93 का इंट्रा-डे हाई छुआ। वहीं एनएसई निफ्टी अपने पिछले बंद 24,005.85 से 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,062.20 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 0.78 प्रतिशत की उछाल के साथ 24194.55 का दिन का उच्चतम स्तर छुआ। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.48 प्रतिशत और 1.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

तमिलनाडुः बारिश की कमी के कारण वडामाल्ली के किसानों को भारी नुकसान की आशंका

कोयंबटूर।

लंबे समय से बारिश न होने के कारण तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के वडमल्ली किसान अपनी फसल बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। थोंडामुथुर ब्लॉक में फूलों वाले पौधों के बड़े-बड़े हिस्से सूखने लगे हैं। इस इलाके के किसानों का कहना है कि गर्मियों में अच्छी बारिश न होने और उसके बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून की कम बारिश की वजह से पानी की भारी कमी हो गई है। इससे ओणम के मुनाफे वाले बाजार के लिए लगाई गई फसलों पर बुरा असर पड़ा है। वडिवेलमपालयम, मुगासिमंगलम, मोलापालयम और कलिमंगलम गांवों में 500 एकड़ से अधिक जमीन पर वडमल्ली (गोम्फ्रेना ग्लोबोसा, जिसे आम तौर पर ग्लोब अमरैंथ कहा जाता है) की खेती की गई है। इस फसल को तैयार होने में लगभग 150 दिन लगते हैं और करीब 120 दिनों के बाद इसमें फूल आने लगते हैं। ओणम के मौसम में केरल में त्योहार की मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर इसकी खेती की जाती है। हालांकि, कई कमर्शियल फसलों की तुलना में इसे कम सिंचाई की जरूरत होती है, लेकिन किसानों का कहना है कि नमी की मौजूदा कमी ने पौधों को खत्म होने की कगार पर पहुंचा दिया है।

अदाणी ग्रुप के लिए ओडिशा पूर्वी भारत के आर्थिक विकास का केंद्र करण अदाणी

भुवनेश्वर/अहमदाबाद।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अदाणी ने गुरुवार को कहा कि अदाणी ग्रुप के लिए ओडिशा पूर्वी भारत के आर्थिक विकास का केंद्र है। उन्होंने यह बयान अदाणी ग्रुप और इंटरनेशल होल्डिंग कंपनी (आईएचसी) द्वारा ओडिशा में नए एल्युमीनियम प्लांट के लिए 11.5 अरब डॉलर (करीब 1.08 लाख करोड़ रुपए) के निवश के ऐलान के दौरान दिया। लोगों को संबोधित करते हुए करण अदाणी ने कहा कि अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी, ÷ओडिशा में सिर्फ संसाधन ही नहीं, बल्कि मजबूती भी देखते हैं।÷ उन्होंने कहा कि ओडिशा में भारत के औद्योगिक विकास की अगली लहर का नेतृत्व करने की ताकत है और यह प्रोजेक्ट उस दिशा में एक बड़ा कदम है।÷ करण अदाणी ने कहा कि ओडिशा एक अनोखी जगह है जहां पुरानी विरासत और आधुनिक उम्मीदें एक साथ मिलती हैं। उन्होंने कहा, ÷ओडिशा में खनिज संसाधन भरपूर हैं और यह देश की औद्योगिक रीढ़ को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। इस राज्य में बॉक्साइट का सबसे बड़ा भंडार है, भारत के लौह अयस्क भंडार का 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा यहीं है; और यहां कोयले का भी काफी भंडार है, जो बिजली और औद्योगिक विकास में मदद करता है।÷ करण अदाणी ने कहा, ÷मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के असरदार नेतृत्व में एक सक्रिय सरकार और मजबूत पॉलिसी सपोर्ट के साथ, ओडिशा कच्चे माल के आपूर्तिकार्ता से बदलकर वैल्यू-एडेड मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है।÷ उन्होंने आगे कहा कि ÷उद्यम, साहस, संस्कृति और अपार संभावनाओं वाली इस महान धरती पर आज आना सौभाग्य की बात है।÷ करण अदाणी ने आगे कहा, ÷इस तरह के प्रोजेक्ट उस विजन की नींव हैं।

मजबूत आर्थिक संकेतकों से भारत की विकास यात्रा को मिला नया बल, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी अर्थव्यवस्था दिखा रही मजबूती

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार द्वारा जारी ताजा आर्थिक संकेतक बताते हैं कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है।

मजबूत जीडीपी वृद्धि, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का विस्तार, रिकॉर्ड वाहन बिक्री, बेहतर जीएसटी संग्रह और निर्यात में स्थिरता इस बात का संकेत हैं कि देश में घरेलू मांग और निवेश का माहौल लगातार मजबूत बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा। अंतिम तिमाही में विकास दर और तेज हुई तथा चौथी तिमाही में रियल जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 7 प्रतिशत से अधिक है। इस वृद्धि में विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, उपभोग और निवेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देश के विनिर्माण क्षेत्र में भी लगातार मजबूती बनी हुई है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जून 2026 में 54.2 पर रहा, जो लगातार 37वें महीने 50 अंकों के स्तर से ऊपर बना हुआ है। यह संकेत देता है कि विनिर्माण गतिविधियों में लगातार विस्तार हो रहा है।

सर्वेक्षण के अनुसार उत्पादन, नए ऑर्डर, रोजगार और खरीद गतिविधियों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है, जो वैश्विक चुनौतियों के बावजूद घरेलू मांग और कारोबारी विश्वास के मजबूत बने रहने को दर्शाती है। सेवा क्षेत्र में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अप्रैल के 58.8 से बढ़कर मई 2026 में 59.8 पर पहुंच गया, जो नवंबर 2025 के बाद सबसे तेज विस्तार को दर्शाता है। औद्योगिक उत्पादन में भी सुधार जारी है। इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (आईआईपी) अप्रैल के 4.9 प्रतिशत से बढ़कर मई 2026 में 5.1 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो पिछले पांच महीनों का उच्चतम स्तर है।

इस वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र की 5.5 प्रतिशत और बिजली एवं गैस आपूर्ति की 9.9 प्रतिशत वृद्धि का अहम योगदान रहा। वहीं, मोटर वाहन और इलेक्ट्रिकल उपकरण जैसे क्षेत्रों में दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) के उत्पादन में 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो निवेश गतिविधियों में तेजी और औद्योगिक क्षमता के विस्तार का संकेत है। केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) अभियान भी नए वित्त वर्ष में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अप्रैल-मई 2026 के दौरान पूंजीगत व्यय 2.51 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2.21 लाख करोड़ रुपए था। यानी सिर्फ दो महीनों में करीब 29,650 करोड़ रुपए की अतिरिक्त पूंजीगत निवेश किया गया। सरकार का यह निवेश मुख्य रूप से सड़क, रेलवे, दूरसंचार, रक्षा और अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में किया जा रहा है, जो सार्वजनिक निवेश रणनीति का प्रमुख हिस्सा बना हुआ है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद कर संग्रह भी मजबूत बना हुआ है। अप्रैल-मई 2026 के दौरान सकल कर राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार का राजस्व आधार स्थिर बना हुआ है। जून 2026 में सकल जीएसटी संग्रह 13.9 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.95 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष जून में यह 1.71 लाख करोड़ रुपए था। वहीं, 17 जून तक चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.64 प्रतिशत बढ़कर 5.21 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिसमें कॉरपोरेट और गैर-कॉरपोरेट दोनों श्रेणियों से कर संग्रह में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

एफएसएसएआई ने एनर्जी ड्रिंक के दावे को लेकर रेड बुल, पेप्सिको इंडिया, कैम्पा सहित कई ब्रांड्स को भेजा नोटिस

नई दिल्ली।

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बेवरेज ब्रांड्स को एनर्जी ड्रिंकशब्द के इस्तेमाल और प्रोडक्ट लेबल पर कथित तौर पर गुमराह करने वाले दावों को लेकर रेड बुल, पेप्सिको इंडिया, कैम्पा सहित कई ब्रांड्स को नोटिस जारी किए हैं। एफएसएसएआई का कहना है कि खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत ऐसे प्रोडक्ट्स के लिए कोई स्टैंडर्ड तय नहीं किया गया है। सोशल मीडिया पोस्ट में खाद्य नियामक ने कहा कि उसने गलत ब्रांडिंग और लेबलिंग के नियमों के उल्लंघन को लेकर कई ब्रांड्स जैसे रेड बुल एनर्जी ड्रिंक, हेल एनर्जी (हेल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड), कैम्पा एनर्जी ड्रिंक, मॉन्स्टर एनर्जी और पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के एड्रेनालिन रश और स्टिंग को नोटिस भेजे थे। एफएसएसएआई के अनुसार, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 और इसके तहत बने नियमों और रेगुलेशन में एनर्जी ड्रिंक्स या ऐसे ही दूसरे प्रोडक्ट्स के लिए कोई स्टैंडर्ड तय नहीं किया गया है। नियामक ने स्पष्ट किया कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड प्रोडक्ट्स स्टैंडर्ड्स एंड फूड एडिटिव्स) रेगुलेशन, 2011 के तहत फूड कैटेगरी सिस्टम का इस्तेमाल प्रोडक्ट का नाम रखने या लेबलिंग के मकसद से नहीं किया जाना चाहिए। एफएसएसएआई ने आगे कहा कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के तहत खाद्य उत्पादों के लिए ऐसे दावे करने को मंजूरी नहीं दी गई है जिनसे कार्यात्मक या चिकित्सीय फायदे का पता चले, जैसे कि एनर्जी लेवल बढ़ाना, फोकस बेहतर करना, शरीर और दिमाग को ताजगी देना, दिमाग को स्टिम्युलेट करना, शरीर को एनर्जी देना, आम कमजोरी में मदद करना आदि। नियामक ने यह भी आरोप लगाया कि इन ब्रांड्स ने अपने प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग और लेबलिंग में एनर्जी ड्रिंक जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया और ऐसे दावे किए जो मौजूदा नियमों के तहत मान्य नहीं हैं।

भारतीय शेयर बाजार कच्चे तेल में गिरावट और आईटी शेयर में खरीदारी से उछला; सेंसेक्स 77,000 के पार

मुंबई ।

कच्चे तेल में गिरावट के बीच भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत हरे निशान में हुई। सुबह 9-15 पर सेंसेक्स 217 अंक या 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,139 और निफ्टी 74 अंक या 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,074 पर था। शुरुआती कारोबार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयर कर रहे थे। इस कारण सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी कमोडिटीज हरे निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी एनर्जी, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी मीडिया लाल निशान में थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी बनी हुई है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 187 अंक या 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,196 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 86 अंक की मजबूती के साथ 19,018 पर था।

भारत-जापान के बीच रक्षा क्षेत्र की पहली सह-विकास परियोजना पर हुआ समझौता, एआई और सेमीकंडक्टर सहयोग को भी मिलेगी नई रफ्तार- पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत और जापान ने रक्षा क्षेत्र में पहली सह-विकास परियोजना पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने वाला महत्वपूर्ण कदम है।

हैदराबाद हाउस में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन (इंडिया-जापान एनुअल समिट) के बाद आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान ने भारत की विकास यात्रा में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने जापानी प्रधानमंत्री को अपनी छोटी बहन बताते हुए कहा कि उनकी यह यात्रा भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के एक नए अध्याय की शुरुआत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जापान की प्रिसीजन टेक्नोलॉजी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के वैश्विक विकास को नई गति और नई शक्ति देगा। रक्षा क्षेत्र में भी आज भारत और जापान के बीच पहली संयुक्त विकास परियोजना पर समझौता हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची का स्वागत करते हुए कहा कि यह उनका भारत का पहला आधिकारिक दौरा है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। वह दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता हैं तथा जापान के नारा प्रांत से आती हैं, जो भारत और जापान की साझा बौद्ध विरासत का एक प्रमुख केंद्र है।

उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा था कि वैश्विक उथल-पुथल के इस दौर में पारस्परिक विश्वास सबसे बड़ी रणनीतिक पूंजी है और भारत-जापान संबंध इस कसौटी पर पूरी तरह खरे उतरते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्र, समृद्ध और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत दोनों देशों की साझा प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि भारत और जापान एशिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और बाजार आधारित अर्थव्यवस्थाएं हैं और दोनों देशों ने कई नई पहल शुरू की हैं, जो पूरे क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि की मजबूत नींव रखेंगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम चरण में, भारत को मिलेगा प्रतिस्पर्धात्मक लाभः पीयूष गोयल

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। अधिकांश प्रमुख मुद्दों पर सहमति बन चुकी है और दोनों देश ऐसे समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे भारत को अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर व्यापारिक लाभ मिल सके।

एनडीटीवी इंडो-जापान स्ट्रैटेजिक डायलॉग में बोलते हुए गोयल ने कहा कि वॉशिंगटन में हाल के कानूनी और नीतिगत घटनाक्रमों के बावजूद उन्हें भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर कोई बड़ी बाधा नजर नहीं आती।उन्होंने कहा, हमें अमेरिका के साथ किसी तरह की कठिनाई नहीं दिख रही है। रियायतों और अन्य अधिकांश पहलुओं पर लगभग सहमति बन चुकी है। उन्होंने बताया कि भारत ने लगातार यह मांग की है कि उसे अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर बाजार पहुंच मिले और अमेरिकी प्रशासन ने इस दृष्टिकोण को समझा है।अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद की स्थिति पर गोयल ने कहा कि अमेरिका अब एक वैकल्पिक व्यवस्था तैयार कर रहा है।

टाटा स्टील 40 एमटीपीए क्षमता के लक्ष्य की ओर अग्रसर अगले विस्तार चरण की तैयारी शुरू एन. चंद्रशेखरन

नई दिल्ली।

टाटा स्टील ने अपनी दीर्घकालिक उत्पादन क्षमता को 40 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तक पहुंचाने के लक्ष्य की दिशा में अगला विस्तार चरण शुरू करने की तैयारी कर दी है। कंपनी के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने गुरुवार को कंपनी की 119वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। चंद्रशेखरन ने कहा कि कलिंगनगर संयंत्र के दूसरे चरण (फेज द्धद्ध) के चालू होने के बाद टाटा स्टील की कुल इस्पात (स्टील) उत्पादन क्षमता बढ़कर 26.1 एमटीपीए हो गई है। उन्होंने कहा कि यह विस्तार कंपनी के 40 एमटीपीए उत्पादन क्षमता के दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि इस लक्ष्य के आगे की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने नए संयंत्रों के लिए संभावित स्थानों और भूमि अधिग्रहण के विकल्पों का भी मूल्यांकन शुरू कर दिया है। यूरोप में कंपनी के कारोबार को लेकर चंद्रशेखरन ने कहा कि वहां पुनर्गठन की प्रक्रिया सकारात्मक परिणाम दे रही है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नीदरलैंड में परिचालन का माहौल पहले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है, क्योंकि वहां पर्यावरण संबंधी नियम अब यूरोपीय संघ (ईयू) के मानकों से भी अधिक कड़े हो चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷कंपनी डच सरकार और अन्य संबंधित पक्षों के साथ लगातार बातचीत कर रही है, ताकि ऐसा दीर्घकालिक समाधान निकाला जा सके जो पर्यावरणीय नियमों के अनुरूप होने के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी व्यवहारिक और टिकाऊ हो।÷ चंद्रशेखरन ने बताया कि टाटा स्टील अपने डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम के तहत अब तक 860 से अधिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मॉडल अपने विभिन्न परिचालनों में लागू कर चुकी है, जिनका उद्देश्य उत्पादन क्षमता बढ़ाना, परिचालन दक्षता में सुधार करना और लागत को कम करना है। उन्होंने कहा कि कंपनी के डिजिटल प्लेटफॉर्म आशियाना और डिगईसीए ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान मिलकर 9,360 करोड़ रुपए का सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) दर्ज किया।

सोने में सपाट कारोबार, चांदी में आधा प्रतिशत से अधिक की तेजी

मुंबई ।

सोने और चांदी में गुरुवार को मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। एक तरफ सोना करीब सपाट बना हुआ है, दूसरी तरफ चांदी में आधा प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी जा रही है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,44,430 रुपए के मुकाबले 548 रुपए या 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,43,882 रुपए पर खुला, लेकिन शुरुआती कारोबार में ही इसमें खरीदारी देखने के मिली।

सुबह 9-48 पर यह 244 रुपए या 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,44,206 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,882 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,44,448 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

सोने की अपेक्षा चांदी में तेजी देखी जा रही है। चांदी का 5 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,30,384 रुपए के मुकाबले 812 रुपए या 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,31,196 रुपए पर खुला।

फिलहाल यह 1,253 रुपए या 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,31,637 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,30,973 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,32,339 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। सोना 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,076 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 60.59 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी के सीमित दायरे में कारोबार करने की वजह फेड चेयर केविन वॉर्श की स्पीच को माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि महंगाई पहले के मुकाबले कम हुई है, लेकिन अभी भी अधिक है। वहीं, आने वाली फेड बैठक में ब्याज दरों की दिशा को लेकर कोई संकेत नहीं दिया, जिससे निवेशक सर्तक बने हुए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका विश्वकप जीता तो चांद पर फुटबॉल खेलकर इसे यादगार बनाएंगे: नासा प्रमुख

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रमुख जारेड आइजैकमैन ने अमेरिकी फुटबॉल टीम का मनोबल बढ़ाते हुए कहा है कि अगर टीम फीफा विश्व कप जीतती है, तो इस ऐतिहासिक जीत को चांद पर फुटबॉल भेजकर और भी यादगार बनाया जाएगा। यह घोषणा नासा की चंद्रमा पर मानव बेस बनाने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की गई, जिसमें आइजैकमैन ने खिलाड़ियों से कहाया, टीम यूएसए, अब अपना काम पूरा करके दिखाइए!

गौरतब है कि नासा लंबे समय से चंद्रमा पर स्थायी मानवीय उपस्थिति स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, आइजैकमैन का यह अनोखा प्रस्ताव अंतरिक्ष अन्वेषण और खेल को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने 1971 के अपोलो-14 मिशन का जिक्र किया, जब अंतरिक्ष यात्री एलन शेपर्ड ने चंद्रमा की सतह पर गोल्फ खेला था। अब, नासा उस उपलब्धि से एक कदम आगे बढ़ना चाहता है। आइजैकमैन ने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य एलन शेपर्ड के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना है। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका वर्ल्ड कप जीतता है, तो हम फुटबॉल को चांद तक पहुंचाएंगे। 2026 फीफा वर्ल्ड कप के मौके पर एक आधिकारिक फुटबॉल पहले ही अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजी जा चुकी है, और अब अगला लक्ष्य उसे चांद की सतह पर पहुंचाना है।

एलन शेपर्ड का गोल्फ शॉट अंतरिक्ष इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक है। वे चांद पर कदम रखने वाले पांचवें इंसान और अमेरिकी अंतरिक्ष कार्यक्रम के शुरुआती दौर के एक दिग्गज अंतरिक्ष यात्री थे। अपने मिशन के अंत में, शेपर्ड ने चतुराई से छुपाकर लाए गए एक छोटे गोल्फ क्लब और दो गोल्फ बॉल से चांद पर दो शॉट लगाए। चंद्रमा के कम गुरुत्वाकर्षण के कारण, गेंदें पृथ्वी की तुलना में कहीं अधिक दूर तक गईं, जिसने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया। आइजैकमैन का यह नया चैलेंज इसी तरह के एक और ऐतिहासिक पल को रचने का प्रयास है, लेकिन इस बार दांव पर एक वैश्विक खेल प्रतियोगिता की जीत है।

श्रीकांत रिटायर हुए, अकर्षी और तान्या कनाडा ओपन के दूसरे दौर में पहुंची

मार्खम (कनाडा) (एजेंसी)। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत ने फिटनेस संबंधी परेशानी के कारण कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने पहले दौर का मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया तो वहीं महिला एकल में तान्या हेमनाथ और आकर्षि कश्यप दूसरे दौर में पहुंचने वाली भारत की चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे।

पिछले रविवार को यूएस ओपन 300 में उपविजेता रहे 33 साल के श्रीकांत पुरुष एकल के पहले दौर में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ली जी जिया के खिलाफ 10-11 से पिछड़ रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कोच बी. साई प्रणीत से चर्चा के बाद मैच से हटने का फैसला किया।

महिला एकल में आकर्षि कश्यप ने फ्रांस की अन्ना तात्रानोवा को 21-14, 21-12 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त बेईवेन झांग से होगा। दूसरी ओर तान्या हेमनाथ ने अमेरिका की दिशा गुप्ता को 21-16, 21-18 से शिकस्त दी और अब उनका मुकाबला जापान की रिको गुंजी से होगा।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए कुल मिलाकर दिन निराशाजनक रहा। बुधवार को उतरे नौ भारतीय खिलाड़ियों में से सात पहले ही दौर में बाहर हो गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग चीनी ताइपे की तुंग सिउ-तोंग से 14-21, 15-21 से हार गईं। कनाडा की रेचल चान के खिलाफ रक्षिता रामराज ने कड़ा संघर्ष लेकिन 15-21, 21-14, 15-21 से हारकर बाहर हो गईं।

इस साल अबू धाबी में अल ऐन मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने वाली श्रियंशी वालिशेट्टी को चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पी के हाथों 9-21, 18-21 से पराजय झेलनी पड़ी। अनमोल खरब ने शीर्ष वरीयता प्राप्त मेजबान खिलाड़ी मिशेल ली को कड़ी टक्कर दी, लेकिन 6-21, 26-24, 13-21 से मुकाबला गंवा बैठीं।

पुरुष एकल में सनीत दयानंद और शंकर सुब्रमण्यन भी पहले दौर की बाधा पार नहीं कर सके। सनीत को जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो ने 21-7, 21-11 से हराया, जबकि शंकर को दक्षिण कोरिया के यू ते-बिन ने 19-21, 21-15, 21-15 से मात दी। पुरुष युगल में भारत की एकमात्र जोड़ी अच्युतादित्य राव दोड्डावरापु और अर्जुन रेड्डी पोचाना भी शुरुआती दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

अगर वैभव को खेलना है तो उन्हें खेलना चाहिए, लेकिन किसी और को टीम से बाहर करके नहीं : पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20आई से पहले भारत के टॉप ऑर्डर को लेकर हो रही चर्चा पर बात की। उन्होंने साफ किया कि भले ही युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की मांग बढ़ रही है, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि वैभव को जगह देने के लिए संजू सैमसन को टीम से बाहर किया जाना चाहिए। अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि टीम में सैमसन की जगह को लेकर लगातार अटकलें लगाना गैर-जरूरी है और इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को लंबे समय तक खेलने का मौका मिलना चाहिए।

पुजारा ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे लगता है कि भारत को संजू सैमसन के साथ बने रहना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी तरह का दबाव महसूस करना चाहिए। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में खुद को साबित किया है और उनके पास जो टैलेंट है, उसे देखते हुए उन्हें प्लेइंग XI में होना चाहिए। संजू सैमसन को टीम से बाहर करने को लेकर ज्यादा शोर नहीं होना चाहिए। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्हें लंबे समय तक खेलने का मौका मिलना चाहिए। संजू को बस नैचुरली बैटिंग करनी चाहिए और ज्यादा सोचना नहीं चाहिए।'

पुजारा ने माना कि सूर्यवंशी को मौका मिलना चाहिए, लेकिन उन्होंने कहा कि इस युवा खिलाड़ी को शामिल करने के लिए भारत के पहले से तय टॉप ऑर्डर को नहीं बिगाड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वैभव को खेलना है तो उन्हें खेलना चाहिए, लेकिन किसी को टीम से बाहर करके नहीं, बल्कि किसी को आराम देकर। अगर आप उन्हें मौका देना चाहते हैं, तो यह ठीक है। लेकिन आपको भारत के टॉप तीन खिलाड़ियों में से किसी को भी बाहर नहीं करना चाहिए, चाहे वह संजू हों, अभिषेक हों या ईशान किशन। इसके बावजूद वैभव को मौका मिलना चाहिए और उन्हें मौका जरूर मिलेगा।'

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कप्तान और कोच बदले जायें : इडुल्जी

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई की प्रशासक समिति (सीओए) की सदस्य डायना इडुल्जी ने कहा है कि अब भविष्य के मुकाबले को देखते हुए कप्तान और कोच में बदलाव की जरुरत है। इडुल्जी के अनुसार अब कप्तान हरमनप्रीत कौर और मुख्य कोच अमोल मजूमदार से आगे बढ़ने का समय आ गया है। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने ये बात कही साथ ही कहा कि अब टीम के प्रदर्शन में स्थिरता आ गयी है। इसलिए लिए टीम को नये विचार और योजनाओं वाले कप्तान और कोच चाहिये।

इडुल्जी ने साथ ही कहा, हरमनप्रीत हालांकि मेरी पसंदीदा खिलाड़ी हैं और मैंने हमेशा उनका समर्थन किया है पर मेरा मानना है कि हमें कम से कम टी20 प्रारूप में किसी और को कप्तानी देनी चाहिये। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत को एक खिलाड़ी के रूप में खेलते रहने दिया जाए, लेकिन कप्तानी के लिए किसी ऐसे व्यक्ति को चुना जाए जिसके पास बेहतर रणनीतिक विचार हों, खासकर गेंदबाजी बदलाव और कप्तानी के अन्य पहलुओं को लेकर। इडुल्जी को लगता है कि हरमनप्रीत की कप्तानी में अब एक ठहराव आ गया है। चयन समिति के फैसलों पर असहमति जताते हुए उन्होंने कहा कि यह कड़े फैसले लेने का सही समय था, भले ही यह विश्व कप हारने के तुरंत बाद की प्रतिक्रिया लगे। इडुल्जी ने हरमनप्रीत के सेफ गेम खेलने की भी आलोचना की, यह कहते हुए कि अगर आप सुरक्षित खेलकर भी हार रहे हैं, तो बेहतर है कि आक्रामक होकर खेलें।

वहीं मुख्य कोच अमोल मजूमदार पर भी इडुल्जी ने सवाल उठाये । उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह अब उससे ज्यादा कुछ कर पाएंगे जो उन्होंने पहले ही किया है। हमें अब एक ऐसे कोच की जरुरत है जो टीम का हौसला बढ़ा सके और टीम को उनके कंफर्ट जोन से बाहर निकालने के लिए थोड़ा सख्त हो। इंग्लैंड में टीम के कुछ चयन निर्णयों पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, हमने यास्तिका भाटिया को क्यों खिलाया? वह बल्लेबाजी करने नहीं आईं, न ही वह गेंदबाज हैं। वह दूसरी विकेटकीपर हैं।

साथ ही कहा कि एकदिवसीय डे और टी20 के लिए अलग-अलग टीमों की जरूरत है। उन्होंने नंदिनी शर्मा और क्रांति गौड़ जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लगातार मौका न देने पर भी नाराजगी जताई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की सलाहकार इडुल्जी ने कहा कि खेल के सभी प्रारूपों में एक ही टीम से नहीं खेला जा सकता, क्योंकि इससे खिलाड़ियों की फिटनेस पर असर पड़ता है, जो पहले से ही कम है।

श्रेयस ने इंग्लैंड में भारतीय कप्तान के तौर पर सबसे बड़ी पारी का रिकार्ड बनाया

डरहम । भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में अर्धशतक लगाते ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। श्रेयस ने इसी के साथ ही तीन पूर्व कप्तानों महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी पीछे छोड़ दिया। श्रेयस ने इस मैच में 47 गेंदों पर 68 रन बनाकर अपना नौवां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाया। कप्तान के तौर पर यह उनका पहला अर्धशतक था। इस ऐतिहासिक पारी के साथ ही, अय्यर अब इंग्लैंड की धरती पर बतौर भारतीय कप्तान सबसे बड़ा टी20 स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली के उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया, जो उन्होंने साल 2018 में कार्डिफ में 47 रन बनाकर बनाया था। वहीं रोहित शर्मा 31 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं और महान कप्तान धोनी 30 रनों (नाबाद) के साथ पांचवें स्थान पर हैं। हालांकि, वैश्विक स्तर पर इंग्लैंड में कप्तान द्वारा सर्वोच्च टी20 स्कोर का रिकॉर्ड अभी भी ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम 90 रन है।

वैभव को आयरलैंड के खिलाफ अवसर नहीं देना एक बड़ी गलती रही : शास्त्री

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं उतारकर भारतीय टीम प्रबंधन ने गलती की है। शास्त्री का मानना है कि आयरलैंड के हालात वैभव के अनुकूल थे, इसके अलावा उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभवी भी मिल जाता। उसे पूरे दौरे में बेंच पर बैठाए रखने का फैसला सही नहीं था। शास्त्री ने कहा, अरे, उसे आयरलैंड में खेलना चाहिए था। वहां की पिच धीमी थी और मैदान भी छोटा था। वह गेंद को सीधे हवा में खेल देता। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उसे अवसर मिलेगा या नहीं ये कहा नहीं जा सकता पर मेरा मानना है कि उसे अवसर दिया जाना चाहिये था। शास्त्री ने वैभव के आईपीएल प्रदर्शन की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने हर गेंदबाज के खिलाफ आसानी से खेला था। इसके बाद भी उसे बेंच पर बैठाया हुआ है। शास्त्री ने वैभव को भारतीय टीम का एक्स फैक्टर करार देते हुए उनकी सबसे बड़ी ताकत उनके निडर अंदाज को बताया। उन्होंने कहा, उसके पास युवा जोश है, कोई दबाव नहीं है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। वह शुरुआती कुछ ओवरों में ही मैच का रुख बदल सकता है और मिडिल ऑर्डर के लिए मजबूत मंच तैयार कर सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में भी उन्हें अवसर नहीं मिला अब देखना है कि उन्हें 4 जुलाई को होने वाले दूसरे टी20 में अवसर मिलता है या नहीं। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं; इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में वह सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए और पिछले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उनके बल्ले से केवल 6 रन निकले हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि दूसरे टी20 में सैमसन की जगह पर वैभव को उतारना चाहिये।

टी20 क्रिकेट बना रहेगा, अश्विन ने वनडे के भविष्य पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि फ्रेंचाइजी आधारित यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ETPL) मौजूदा क्रिकेट परिदृश्य में एक जरूरी पहल है क्योंकि टी20 क्रिकेट का भविष्य बेहद मजबूत है, जबकि वह वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। अश्विन ईटीपीएल में डबलिन गार्जियंस टीम की कप्तानी करेंगे। भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में दूसरे सबसे सफल गेंदबाज अश्विन का मानना है कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को देखते हुए यह लीग खेल के वैश्विक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अश्विन ने कहा, 'कुछ वर्षों में ओलंपिक होने हैं और क्रिकेट अगर वास्तव में वैश्विक खेल बनना चाहता है तो इस तरह की लीगों की टीमें इसमें अहम योगदान देंगी।' उन्होंने कहा कि टी20 प्रारूप क्रिकेट को दुनिया के अधिक देशों तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा, 'हमारा पूरा ध्यान टी20 क्रिकेट पर रहेगा और इसे बेहतर बनाने पर होगा। यदि क्रिकेट को वैश्विक खेल और सफल ओलंपिक खेल बनाना है तो छोटा प्रारूप सबसे अधिक व्यावहारिक है।' उन्होंने कहा, 'इसी वजह से टी20 क्रिकेट का लगातार विस्तार होता जाएगा। इससे खिलाड़ियों का दायरा भी बढ़ेगा, जो सालभर आयोजित होने वाली विभिन्न लीगों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। टी20 क्रिकेट यहां लंबे समय तक रहने वाला है। मैं वनडे क्रिकेट के बारे में मैं इतना निश्चित नहीं हूं।'

विंबलडन के तीसरे दौर में पहुंचे सिनर: सबसे अधिक मैच जीतने वाले इटली के खिलाड़ी बने

लंदन (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और मौजूदा चैम्पियन इटली के जैनिक सिनर जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। सिनर ने पुरुष एकल के दूसरे दौर में पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को सीधे सेटों में 7-6(4), 7-6(2), 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर एक बार फिर अपने खिताब को बनाये के लिए आगे बढ़ते दिख रहे हैं। सिनर ने बोर्गेस के खिलाफ मैच में काफी अच्छा प्रदर्शन करने के साथ ही अपनी 95वीं ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ जीत के साथ एक नया रिकॉर्ड भी बनाया। वह इतने मैच जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। अब तीसरे दौर में उनका सामना अमेरिका के जेनसन ब्रूक्सबी से होगा।

पुर्तगाली खिलाड़ी के खिलाफ सिनर के मिए मुकाबला आसान नहीं रहा। पहले दो सेटों में बोर्गेस ने उन्हें कड़ी टक्कर दी और मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया। वहीं सिनर ने धैर्य से खेलते हुए अपने सटीक शॉट्स के साथ अंक हासिल किये। वहीं दूसरे सेट में तो बोर्गेस 5-4 की बढ़त के साथ सर्विस कर रहे थे पर दबाव के क्षणों में सिनर ने जीत के साथ वापसी की। उन्होंने टाई-ब्रेक को 7-2 से जीतकर मैच पर पकड़ बना ली।वहीं तीसरे सेट में भी बोर्गेस ने आक्रामक अंदाज बनाये रखा। उन्होंने सही समय पर निर्णायक ब्रेक हासिल कर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ सिनर ने अपने करियर की 95वीं ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ जीत दर्ज की है। इस शानदार उपलब्धि ने उन्हें निकोला पिएट्रांगेली के 94 जीत के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए, ग्रैंड स्लैम इतिहास में सबसे अधिक मैच जीतने वाले इतालवी खिलाड़ी बनने का गौरव प्रदान किया है।, सिनर अब ओपन एरा में लगातार दो बार विंबलडन पुरुष एकल खिताब जीतने वाले विशिष्ट खिलाड़ियों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने का लक्ष्य रख रहे हैं।

सितसिपास को हराकर विंबलडन टेनिस के तीसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

लंदन। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में जीत के साथ ही तीसरे दौर में प्रवेश किया है। जोकोविच ने पुरुष एकल मुकाबले में यूनान के दिग्गज खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास को एकतरफा मुकाबले में आसानी से 6-3, 6-4, 6-2 से हरा दिया। ये मुकाबला करीब डेढ़ घंटे से कुछ अधिक समय तक चला। इस जीत के साथ ही विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच अब ग्रास-कोर्ट पर अपने सातवें खिताब को जीतने प्रतिबद्ध नजर आये। जोकोविच ने इस जीत के साथ रिकॉर्ड 20वीं बार विंबलडन के तीसरे दौर में प्रवेश किया है। मैच के दौरान वह अच्छी लय मे दिखे। उन्होंने कुल 33 विनर्स लगाए और मात्र सात अनफोर्स्ड एरर्स किए, जिससे उनकी क्षमत का अंदाजा होता है। अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने विशेष रूप से एक गेम में तीन विनर्स लगाकर बढ़त हासिल की । वह शुरुआत से ही मैच में हावी रहे। अब तीसरे दौर में जोकोविच का मुकाबला 25वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसीसी खिलाड़ी आर्थर रिंडरकनेच से होगा, जिन्होंने हाल ही में मार्टिन डाम को तीन सेटों में हराया था। यह जोकोविच और रिंडरकनेच के करियर का पहला आमना-सामना होगा, जिससे यह मुकाबला और भी रोमांचक होना तय है। मैच के बाद, अपनी शानदार जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए जोकोविच ने कहा, जब आप इस तरह खेलते हैं तो कोर्ट पर बहुत खुशी, संतुष्टि और आनंद महसूस होता है।

अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

डरहम । इंग्लैंड के खिलाफ बारिश के कारण यहां रद्द हुए पहले टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों में 59 रन की आतिशी पारी के दौरान एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की। अभिषेक इस मैच में दो छक्के लगाते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। अभिषेक ने यह रिकार्ड केवल 785 गेंदों पर ही बना दिया। उन्होंने इस दौरान वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज एविन लुईस के रिकॉर्ड को तोड़ा। लुइस ने 789 गेंदों में अपने 100 छक्के लगाये थे। अभिषेक टी20 में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर आ गये हैं। दूसरे नंबर पर एविन लुईस (789 गेंद), फिन एलन (871 गेंद) के साथ ही तीसरे, टिम डेविड (931 गेंद) चौथे और कॉलिन मुनरो (963 गेंद) के साथ ही पांचवे नंबर रहे हैं। अभिषेक ने अपनी इस पारी के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के सबसे तेजी से 100 टी20 छक्के लगाने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। सूर्यकुमार ने 1007 गेंदों का सामना किया था। अभिषेक ने यह कारनामा सूर्यकुमार से 222 गेंद पहले ही कर दिखाया। अब वे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 या उससे अधिक छक्के लगाने वाले भारत के केवल पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में रोहित शर्मा (205 छक्के), सूर्यकुमार यादव (179 छक्के), हार्दिक पांड्या (126 छक्के) और विराट कोहली (124 छक्के) शामिल हैं, जिनके साथ अभिषेक ने 100 छक्के पूरे कर अपना नाम दर्ज कराया है। अभिषेक नाम अब 1450 से ज्यादा रन हैं और उनका स्ट्राइक रेट 190 से ऊपर है, जो 1000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सबसे अधिक है। मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 189 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। हालांकि, इंग्लैंड की पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई और उसके नहीं रुकने पर मैच रद्द घोषित कर दिया गया।

सेंटनर की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उतरेगी न्यूजीलैंड, मैथ्यू फिशर नया चेहरा

ऑकलैंड (ईएमएस)। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी माह 12 जुलाई से होने वाली वाली पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए मिशेल सेंटनर को कप्तान बनाया है। 16 सदस्यीया टीम में पहली बार तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर को शामिल किया गया है। फिशर ने अब तक केवल एक टेस्ट और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेला है। वह पहली बार किसी एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किये गये हैं। ऐसे में उनका डेब्यू तय नजर आता है। कप्तान सेंटनर के अलावा, कई अनुभवी खिलाड़ी भी टीम में वापसी कर रहे हैं। इसमें डेरिल मिचेल, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रेसवेल और जैकब डफी शामिल हैं। डफी हाल ही में पितृत्व अवकाश के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर थे। वहीं कुछ खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखा गया है हैं। बांग्लादेश दौरे शामिल रहे अशोक, जोश क्लार्कसन, डेन क्लीवर, विल ओरूर्क और ब्लेयर टिकनर को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है जबकि तेज गेंदबाज मैट हेनरी और काइल जैमीसन को इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। ब्लेयर टिकनर टखने की सर्जरी के कारण इस सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण इंग्लैंड से सीधे स्वदेश लौटेंगे और इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र मेजर लीग क्रिकेट पहले से तय प्रतिबद्धताओं के चलते टीम के साथ नहीं जाएंगे। एकदिवसीय सीरीज के पहले तीन मुकाबले 12, 14 और 17 जुलाई को प्रोविडेंस, गुयाना में खेले जाएंगे। इसके बाद आखिरी दो मैच 20 और 22 जुलाई को केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में खेले जाएंगे। न्यूजीलैंड की वनडे टीम इस प्रकार है- कप्तान- मिशेल सेंटनर विकेटकीपर- टॉम लैथम, मिशेल हे बल्लेबाज- मार्क चैपमैन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, निक केली, विल यंग, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, क्रिस्टियन क्लार्क ऑलराउंडर- माइकल ब्रेसवेल, नाथन स्मिथ गेंदबाज- मैथ्यू फिशर, जैकब डफी, बेन सियर्स, जेडन लेनोक्स!

'इंग्लैंड में मेरा सही इस्तेमाल नहीं हुआ', टीम से बाहर चल रहे भारतीय ऑलराउंडर का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने इंग्लैंड दौरे 2025 को लेकर बड़ा खुलासा किया है। टीम इंडिया से बाहर चल रहे शार्दुल ने दावा किया कि पांच टेस्ट मैचों की उस सीरीज में उनका सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें कम ओवर ही नहीं दिए गए, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई, जिससे वह टीम के लिए ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

'गेंदबाजी में सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया गया'

शार्दुल ने कहा कि बल्लेबाजी में लीड्स टेस्ट में उन्होंने गलती जरूर की थी, लेकिन मैनचेस्टर टेस्ट में उन्होंने टीम के लिए अहम पारी खेली थी।

उन्होंने कहा, 'जब मैंने इंग्लैंड में खेला तो गेंदबाजी में मेरा सही इस्तेमाल नहीं हुआ। बल्लेबाजी में लीड्स में मेरी गलती थी, लेकिन मैनचेस्टर में मैंने शानदार बल्लेबाजी की। उस समय बादल छाए हुए थे, गेंद स्विंग कर रही थी और पिच मुश्किल थी। अगर मैं उस समय नहीं टिकता तो मैच का नतीजा अलग भी हो सकता था।'

'गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई'

34 वर्षीय ऑलराउंडर ने कहा कि उन्हें गेंदबाजी के लिए सही फेज में नहीं लगाया गया। 'मुझे सिर्फ कम गेंदबाजी नहीं मिली, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई। मुझे लगता है कि रणनीति में कहीं न कहीं गलती हुई थी।' हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मैच के दौरान कप्तान या कोच से इस बारे में बात करना आसान नहीं होता। 'मैदान पर पूरा फोकस मैच पर होता है। जब भी गेंद मिलती है, खिलाड़ी सिर्फ यही सोचता है कि टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है।'

लीड्स टेस्ट का भी किया जिक्र

शार्दुल ने लीड्स टेस्ट को याद करते हुए कहा कि उन्होंने लगातार दो गेंदों पर बेन डकेट और हैरी ब्रूक का विकेट लेकर भारत की वापसी कराई थी, लेकिन इसके बाद उन्हें गेंदबाजी से हटा दिया गया। उन्होंने कहा, 'अगर मुझे लंबा स्पेल मिलता तो शायद एक-दो और विकेट मिलते और मैच का नतीजा भी बदल सकता था।'

'मुझे और मौके मिलने चाहिए थे'

शार्दुल का मानना है कि 2024-25 घरेलू सीजन में अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में ज्यादा मौके मिलने चाहिए थे।उन्होंने कहा, 'उस सीजन में जिस तरह का प्रदर्शन मैंने किया, उसके बाद मुझे कुछ और टेस्ट खेलने चाहिए थे। मुझे लगता है कि मैं टीम के लिए अंतर पैदा कर सकता था।'

वापसी का लक्ष्य बरकरार

शार्दुल ने साफ कहा कि भारतीय टेस्ट टीम में वापसी करना ही उनका सबसे बड़ा लक्ष्य है।

'भारतीय टीम में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मेरी कोशिश 100 प्रतिशत है कि मैं दोबारा टेस्ट टीम में वापसी करूं। जब भी मुझे मौका मिला है, मैंने कई मैचों में टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।'

इंग्लैंड 2025 टेस्ट सीरीज में शार्दुल का प्रदर्शन

मैच- 2, गेंदबाजी- 27 ओवर, विकेट- 2, रन- 46; मैनचेस्टर टेस्ट- 88 गेंदों में 41 रन.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेहत का राज बस 4 ग्लास पानी एक साथ

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

- मधुमेह एक माह के लगभग।
- उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
- गैस दो सप्ताह के लगभग।
- टी.बी. छः माह के लगभग।
- कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने से उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भीतर इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेंन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्ट्स है.

जरा संभलकर मम्मी टू बी...

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

ऐसा न करें

- भारी वस्तुएं न उठाएं।
- कमर को झुकाएं नहीं।
- उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें।
- जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
- ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
- कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
- हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

- भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
- कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
- अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
- नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
- हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
- भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
- जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में बादल फटने और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दस्तक देते ही, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अनेक स्थानों पर बादल फटने और अचानक बाढ़ की भयावह स्थिति उत्पन्न हुई है। डोडा, किश्तवाड़ और बांदीपोरा सहित छह स्थानों पर बादल फटने से कई गांवों का संपर्क टूट गया और सड़कें अवरुद्ध हो गईं। प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, हालांकि अभी तक किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के निदेशक डॉ. मुख्तयार अहमद ने मॉनसून के सामान्य समय पर पहुंचने की पुष्टि की। इस आपदा के कारण किश्तवाड़ की मचैल और मिंधल यात्रा को फिलहाल स्थगित किया गया है, वहीं कटड़ा-सांझीछत हैलिकॉप्टर सेवा प्रभावित हुई। डोडा के कालजुगासर और सेरू तथा किश्तवाड़ के गहान और मचीपाल में बादल फटने से हुए भूस्खलन और मलबे ने बचाव कार्यों में बाधा डाली। गुरेज की तुलैल में जादीगे नाले के पास बादल फटने से किलशेय-जादीगे सड़क को भारी क्षति पहुंची और किशनगंगा नाले का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। तहसीलदार ने क्षति के आकलन और सड़क की बहाली के लिए दल तैनात करने की बात कही है, साथ ही नाले के समीप रहने वाले लोगों को सतर्क कर दिया गया है। वहीं अनंतनाग में भी मूसलाधार वर्षा से गुरिदरमन गांव में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे स्थानीय विद्यालय में मौजूद विद्यार्थियों को ग्रामीणों ने समय रहते सुरक्षित निकाल लिया। कारगिल में शाफत नाले की बाढ़ के कारण जंस्कार-कारगिल मार्ग पर मलबा आने से यातायात बंद हो गया, और जिला कठुआ का बनी-बसोहली मार्ग भी भूस्खलन के कारण पांच घंटे तक अवरुद्ध रहा।

भारतीय नौसेना ने जहाज पर हमला किया नाकाम, समुद्री लुटेरे डर कर भागे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आ रहे एक जहाज को लूटने की कोशिश को भारतीय नौसेना ने नाकाम कर दिया। जहाज पर बुधवार रात समुद्री लुटेरों का हमला हुआ था। बताया जा रहा है कि भारतीय नौसेना के मरीन कमांडो जहाज पर चढ़े। इस जहाज पर ही लुटेरों का हमला हुआ था। जहाज पर एक भारतीय क्रू मेंबर भी मौजूद था। यह जहाज भारत के लिए जरूरी सामान लेकर जा रहा था। जहाज के क्रू ने खुद को एक सुरक्षित कमरे में बंद कर लिया और कम्युनिकेशन चैनल के जरिए डकैती की कोशिश की जानकारी दी। जब भारतीय नौसेना का युद्धपोत उस जहाज की तरफ बढ़ा तो समुद्री लुटेरे डर कर भाग गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब भारतीय नौसेना ने अपना पराक्रम दिखाते हुए समुद्री लुटेरों से किसी जहाज को बचाया है। दो महीने पहले 26 मई को भी भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर में एक मालवाहक जहाज को बचाया था। पश्चिमी हिंद महासागर में मालवाहक जहाज एमवी माशाअल्लाह-1 के पास समुद्री डाकुओं की गतिविधियां ट्रेक की गई थीं। इसके बाद तुरंत आईएनएस कोलकाता ने कार्रवाई करते हुए इस खतरे की जांच की और उसे रोक दिया था। समय पर की गई कार्रवाई से मालवाहक जहाज की सुरक्षा सुनिश्चित हुई और समुद्री डाकुओं के संभावित हमले को नाकाम कर दिया गया था। दरअसल, भारतीय नौसेना अदन की खाड़ी के आसपास में मिशन पर तैनात है। जब नौसेना के जहाज को एमवी माशाअल्लाह-1 के पास समुद्री लुटेरों की संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत कार्रवाई की थी। साल 2008 से भारतीय नौसेना अदन की खाड़ी में समुद्री लुटेरों के खिलाफ लगातार अपनी तैनाती बनाए हुए है।

खुले बोरवेल ने ली 4 साल के निरवैर की जान, 21 घंटे का रेस्क्यू ऑपरेशन नाकाम

अंबाला (एजेंसी)। अंबाला के धनयोड़ा गांव में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां 4 साल के मासूम निरवैर सिंह की खुले बोरवेल में गिरने से मौत हो गई। करीब 21 घंटे तक चले अथक बचाव अभियान के बावजूद, बच्चे को बचाया नहीं जा सका। उसके शव को बोरवेल से बाहर निकाला गया और बाद में गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। यह दर्दनाक हादसा मंगलवार हुआ था, जब खेलते समय निरवैर अचानक खुले पड़े बोरवेल में जा गिरा। सूचना मिलते ही प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचे और बच्चे को सुरक्षित निकालने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। लेकिन जब उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। इस दर्दनाक हादसे के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खेत मालिक और दो ठेकेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। परिजनों का आरोप है कि पुराना बोरवेल खुला और बिना किसी चेतावनी बोर्ड के छोड़ दिया गया था, जिसकी बड़ी लापरवाही के चलते निरवैर की जान चली गई। एसपी अंबाला अजित सिंह शेखावत ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। बच्चे का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

पत्थर खदान में चट्टान गिरने से 9 मजदूरों की मौत

-बिहार और असम के थे मृतक, घायलों को अस्पताल में किया भर्ती

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के दक्षिण तालुक के मडापट्टना इलाके में गुरुवार सुबह एक पत्थर की खदान में बड़ा हादसा हो गया। खदान में काम के दौरान अचानक भारी चट्टान गिरने से नौ मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूर घायल हो गए। पुलिस और राहत दल ने तत्काल बचाव अभियान शुरू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, हादसे के समय मजदूर खदान में पत्थर तोड़ने का काम कर रहे थे। इसी दौरान करीब 40 फुट ऊंचाई से एक विशाल चट्टान उनके ऊपर आ गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उस समय खदान में लगभग 18 मजदूर काम कर रहे थे और चट्टान इतनी तेजी से गिरी कि उसके नीचे दबे मजदूरों को संभलने का मौका नहीं मिला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक मजदूर बिहार और असम के रहने वाले थे तथा दैनिक मजदूरी पर कार्यरत थे। हादसे में घायल हुए मजदूरों को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, घायलों की आधिकारिक संख्या अभी स्पष्ट नहीं की गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। पूरे क्षेत्र को घेरकर मलबा हटाने का काम जारी है। अधिकारियों को आशंका है कि कहीं और मजदूर मलबे के नीचे दबे न हों, इसलिए तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने मृतकों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है और उनके परिजनों को सूचना दी जा रही है। साथ ही यह जांच भी की जा रही है कि हादसा प्राकृतिक कारणों से हुआ या खदान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी।

सीएम विजय ने किया खेला: एआईएडीएमके के 100 नेता टीवीके में शामिल होंगे

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में सियासी हलचल अपने चरम पर है, जहाँ मुख्यमंत्री सी. विजय जोसेफ के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी एक बड़ा विस्तार करने जा रही है। ऐसी खबरें हैं कि राज्य के प्रमुख दल एआईएडीएमके के लगभग सौ बड़े नेता टीवीके में शामिल होने को तैयार हैं, जिसे टीवीके के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब एआईएडीएमके में आंतरिक कलह की खबरें जोरों पर हैं, और पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन लगातार विधानसभा चुनाव जल्द होने का दावा कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि करीब 15 पूर्व विधायक, 5 पूर्व मंत्री और सैकड़ों पार्टी कैडर गुरुवार को ममल्लापुरम के एक रिसॉर्ट में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में टीवीके का दामन थाम सकते हैं। इन नेताओं में पूर्व मंत्री सी. विजयभास्कर, एम.आर. विजयभास्कर, एम.एस.एम. आनंदन, एस. वलारमति और पूर्व केंद्रीय मंत्री एम.के. अलागिरि की बेटी कायलविझि जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा, करूर और पुडुकोट्टई जिलों से भी कई पूर्व नेता और जिला स्तरीय पदाधिकारी टीवीके में शामिल हो सकते हैं। यह कोई पहली बार नहीं है जब एआईएडीएमके के बड़े नेता टीवीके में आ रहे हैं; इससे पहले भी चार पूर्व मंत्री, जिनमें एमसी संपत, एन.आर. शिवपति, कादंबूर सी. राजू और उदुमलाई के. राधाकृष्णन शामिल हैं, टीवीके में शामिल हो चुके हैं।

इस बीच, टीवीके ने डीएमके पर अपने विधायकों को लुभाने और खरीदने की कोशिश करने का गंभीर आरोप भी लगाया है। तमिलनाडु के मंत्री और टीवीके नेता आर. निर्मल कुमार ने दावा किया कि डीएमके नेतृत्व, जिसमें एम.के. स्टालिन और उदयनिधि शामिल हैं, ने सेंथिल बालाजी जैसे लोगों के इशारे पर टीवीके के कई विधायकों से संपर्क किया और उन्हें 10 करोड़ से 50 करोड़ रुपये तक की पेशकश की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पुलिस ने कृष्णगिरि जिले के उथंगराई विधानसभा क्षेत्र से टीवीके विधायक एन. इलैयाराजा से संपर्क करने के आरोप में नरेश नामक व्यक्ति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया है। पुलिस के अनुसार, विधायक को विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव में उनके सहयोग के बदले 35 करोड़ रुपये का प्रलोभन दिया गया था। कुमार ने आरोप लगाया कि पिछले लगभग 40 दिनों से डीएमके और एआईएडीएमके के शीर्ष नेता अनुचित तरीके से सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इन सभी घटनाक्रमों से तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है।

अमन की आशा पहल पर प्रियंका चतुर्वेदी ने दागे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद बहाल करने की मांग को लेकर लिखे गए संयुक्त पत्र पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने वालों पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार उसी विचार को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसे अधिकांश भारतीय पहले ही खारिज कर चुके हैं। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि अमन की आशा पहल का समर्थन करने वाले लोगों को यह बताना चाहिए कि वे पाकिस्तान से बातचीत के बेकार विचार को लगातार क्यों दोहरा रहे हैं। उन्होंने पूछा, क्या आपने पिछली कोशिशों से कोई सबक नहीं सीखा? क्या आप 26/11 मुंबई आतंकी हमले और 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले को भूल गए हैं? दरअसल, एक दिन पहले भारत और पाकिस्तान के 100 से अधिक प्रतिष्ठित नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को संयुक्त पत्र लिखकर दोनों देशों के बीच शांति, सामान्य कूटनीतिक संबंध और संवाद प्रक्रिया बहाल करने की अपील की थी। पत्र में नई दिल्ली और इस्लामाबाद में उच्चायुक्तों की नियुक्ति, सामान्य वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने और दोनों देशों के बीच एयरस्पेस खोलने जैसी मांगें भी शामिल थीं। इस पहल पर हस्ताक्षर करने वालों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की महबूबा मुफ्ती, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा, पूर्व रॉ प्रमुख ए.एस. दुलत, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर, पूर्व सांसद जवाहर सरकार, मीरवाइज उमर फारूक, प्रो. अपूर्वानंद, संदीप पांडेय, मोहम्मद यूसुफ तारिगामी, रीता मंचंदा और अन्य प्रमुख हस्तियां शामिल हैं।

मप्र भाजपा में 'चिट्ठी बम' से हड़कंप; विजयवर्गीय के कथित पत्र से सियासी पारा चढ़ा

- इंदौर के विकास, प्रशासनिक अनदेखी और विभागीय असहयोग पर उठे सवाल, विपक्ष ने साधा निशाना

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की सियासत में बुधवार को उस समय तेज हलचल मच गई जब नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का मुख्यमंत्री मोहन यादव को लिखा एक कथित पत्र सामने आने की चर्चा ने राजनीतिक गलियारों में गर्मी बढ़ा दी। इस पत्र को लेकर सत्ताधारी भाजपा के भीतर असंतोष और प्रशासनिक खींचतान की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सूत्रों के अनुसार, 20 जून की तारीख वाले इस कथित पत्र में इंदौर के विकास कार्यों, विशेषकर मास्टर प्लान में देरी, मेट्रोपॉलिटन रीजन में इंदौर की स्थिति तथा नगरीय विकास विभाग के कामकाज को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई गई हैं। पत्र में यह भी उल्लेख है कि पिछले ढाई वर्षों से उन्हें लगातार ÷असहयोग, उपेक्षा और विरोध÷ का सामना करना पड़ रहा है।

कथित पत्र में यह आरोप भी लगाए गए हैं कि विभागीय स्तर पर महत्वपूर्ण तबादलों और निर्णयों में मंत्री की सहमति या जानकारी को दरकिनार किया जा रहा है। साथ ही, इंदौर से जुड़े विकास प्रकरणों पर अपेक्षित गति नहीं मिलने पर असंतोष जताया गया है।

बताया जा रहा है कि पत्र के अंत में चेतावनी भरे अंदाज में यह भी कहा गया है कि यदि शहर के विकास से जुड़े मुद्दों का समाधान शीघ्र नहीं हुआ तो वे जनता के बीच जाकर अपनी बात रखने को मजबूर होंगे।

हालांकि, इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कैलाश विजयवर्गीय ने मीडिया के सवालों को टालते हुए कहा कि उन्हें इस पत्र की जानकारी नहीं है और इसकी वास्तविकता के लिए अखबारों से पूछा जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद मामला और अधिक उलझ गया है।

उधर, विपक्षी कांग्रेस ने इस घटनाक्रम को भाजपा के भीतर गहरे मतभेद और आंतरिक शक्ति-संघर्ष का संकेत बताया है। कांग्रेस नेताओं में दिग्विजय सिंह और उमंग सिंघार सहित अन्य नेताओं ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर तंज कसे हैं।

कांग्रेस का कहना है कि यह स्थिति सरकार के भीतर समन्वय की कमी और प्रशासनिक निर्णयों में टकराव को दर्शाती है, जिसका असर राज्य के विकास कार्यों पर पड़ सकता है।

फिलहाल, कथित पत्र की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह मामला राजनीतिक हलकों में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर की पड़ताल: शिंदे का लक्ष्य बहुमत या फडणवीस?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर दल-बदल और आंतरिक सत्ता संघर्ष के चरम पर है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को लगातार झटके लग रहे हैं। लोकसभा के छह सांसदों के पाला बदलने के ठीक एक हफ्ते बाद, उद्धव सेना के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सचिन अहीर ने भी पाला बदल लिया है। बुधवार को उन्हें सत्तारूढ़ शिवसेना यानी एकनाथ शिंदे गुट के उम्मीदवार के रूप में निर्विरोध विधान परिषद का उपसभापति चुना गया। आदित्य ठाकरे के बेहद करीबी माने जाने वाले सचिन अहीर का यह कदम उद्धव गुट के लिए एक बड़ा मनोवैज्ञानिक झटका है, जिसने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की राजनीतिक ताकत को और मजबूत कर दिया है। राजनीतिक गलियारों में उद्धव सेना के सांसदों और नेताओं के इस सामूहिक दल-बदल को ऑपरेशन टाइगर का नाम दिया जा रहा है। इस ऑपरेशन के जरिए शिंदे न केवल राज्य की राजनीति में, बल्कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के भीतर भी खुद को एक अपरिहार्य नेता के रूप में स्थापित करने में सफल रहे हैं।

महाराष्ट्र के राजनीतिक विश्लेषकों और अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, इस ऑपरेशन टाइगर के पीछे मुख्य रूप से दो बड़े कारण माने जा रहे हैं। पहला कारण संसद में दो-तिहाई बहुमत की रणनीति है। कहा जा रहा है कि इस ऑपरेशन को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की हरी झंडी मिली है, क्योंकि केंद्र सरकार को आने वाले समय में परिसीमन, एक राष्ट्र, एक चुनाव और महिला आरक्षण जैसे कुछ बेहद महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन विधेयकों को संसद में पारित कराना है, जिसके लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। शिंदे की यह मुहिम इस बहुमत को जुटाने में मददगार साबित हो रही है। दूसरा कारण एकनाथ शिंदे की अपनी महत्वाकांक्षा है। साल 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को 132 सीटें मिली थीं, जबकि शिंदे की शिवसेना को 57 और एनसीपी (अजीत पवार) को 41 सीटें मिलीं, जिसके कारण मुख्यमंत्री पद देवेंद्र फडणवीस के पास चला गया और शिंदे को उपमुख्यमंत्री पद से संतोष करना पड़ा। शिंदे गुट का मानना है कि महायुति की चुनावी जीत उनकी सरकार की लाडकी बहिन योजना के कारण हुई थी, इसलिए सीएम पद न मिलने से शिंदे काफी समय से असहज थे। अब वे भाजपा के केंद्रीय आलाकमान के पसंदीदा नेताओं की सूची में आकर 2029 के चुनावों के लिए फिर से शीर्ष पद पर अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और दिलचस्प पहलू महायुति गठबंधन के भीतर का आंतरिक सत्ता संघर्ष है। गठबंधन के ही कुछ अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि शिंदे के राजनीतिक कद को जानबूझकर बढ़ावा देना एक रणनीतिक चाल भी हो सकती है, ताकि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बढ़ते प्रभाव को नियंत्रित रखा जा सके।

राम मंदिर दान चोरी : चंपत राय लापरवाह हैं तो एक्शन होगा : आलोक कुमार

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में हुई दान चोरी की घटना ने दुनियाभर के हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है। इस मामले में एसआईटी जांच के बाद राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय पर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की संभावित कार्रवाई को लेकर वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एक साक्षात्कार में स्वीकार किया कि चंपत राय लापरवाही के दोषी हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि परिषद उनके खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई पर विचार करने से पहले एसआईटी जांच के नतीजों का इंतजार करेगी। इसके बाद मछली बड़ी हो या छोटी सभी पर एक्शन होगा। आलोक कुमार ने यह भी साफ किया कि राम मंदिर में हुई दान चोरी के लिए विश्व हिंदू परिषद सीधे तौर पर जवाबदेह नहीं है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के दिन ही उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि वीएचपी का काम अब खत्म हो गया है और मंदिर का निर्माण तथा उसका संचालन करना उनका काम नहीं है। उन्होंने इस चोरी को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि इस घटना का बचाव करने या कोई बहाना बनाने का सवाल ही नहीं उठता, और परिषद चाहती है कि पुलिस तथा एसआईटी सभी कोणों से इसकी गहन जांच करे। चंपत राय वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं, लेकिन आलोक कुमार ने कहा कि वीएचपी ने उन्हें ट्रस्ट के महासचिव पद के लिए नामित नहीं किया था और वह वहां वीएचपी का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्होंने आरोप लगाया कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर इस मामले में वीएचपी, आरएसएस और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को निशाना बनाया जा रहा है। कुमार ने यह भी बताया कि अभी तक चंपत राय पर सीधे तौर पर कोई आरोप नहीं लगे हैं, बल्कि आरोप उनके ड्राइवर पर हैं, जिसके पास स्ट्रॉन्ग रूम की चाबियां थीं।

शांति के लिए दुश्मनों से भी बातचीत जरूरी: पूर्व रॉ प्रमुख दुलत

भारत-पाक संवाद बहाल करने की अपील का समर्थन, बोले- युद्ध नहीं, कूटनीति ही स्थायी समाधान का रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से ठप पड़े संवाद को फिर से शुरू करने की मांग के बीच रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख अमरजीत सिंह दुलत ने कहा है कि शांति स्थापित करने के लिए बातचीत आवश्यक है और कूटनीति का मूल सिद्धांत यही है कि बातचीत दुश्मनों से की जाती है, क्योंकि दोस्त तो पहले से ही साथ होते हैं।

भारत और पाकिस्तान के 100 से अधिक प्रमुख नागरिकों द्वारा दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों को लिखे गए संयुक्त पत्र का समर्थन करते हुए दुलत ने कहा कि कूटनीति और शांति स्थापना के लिए संवाद हमेशा जरूरी होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि कश्मीर में आतंकवाद और हालिया पहलगाम हमले में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर कोई संदेह नहीं है, लेकिन इसके बावजूद बातचीत बंद रखना बेहतर विकल्प नहीं हो सकता।

एक बातचीत के दौरान दुलत ने कहा, शांति कायम करने के लिए सबसे पहले अपने दुश्मनों से ही बात की जाती है। बातचीत सफल होगी या नहीं, यह समय बताएगा, लेकिन संवाद का रास्ता बंद कर देना समाधान नहीं है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि मित्र देशों के नेताओं के साथ संवाद संभव है तो पड़ोसी देशों के बीच भी बातचीत की संभावनाएं तलाशनी चाहिए। उन्होंने पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का जिक्र करते हुए कहा कि वे हमेशा भारत-पाक शांति के समर्थक रहे हैं। दुलत ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की लाहौर यात्रा और उनका प्रसिद्ध संदेश हम जंग नहीं होने देंगे भी याद किया।

पूर्व रॉ प्रमुख ने कहा कि चाहे अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल हो, डॉ. मनमोहन सिंह का दौर या वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण, सभी ने अलग-अलग अवसरों पर यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। उनके अनुसार, दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए कूटनीतिक संवाद ही सबसे प्रभावी माध्यम है।

इसरो के सैटेलाइट ने भेजी मॉनसून की तस्वीरें, देखकर टेंशन हुई खत्म

-1500 किलोमीटर लंबी बारिश वाले बादलों की पट्टी दिखी, खूब बरसेगा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के सैटेलाइट ने मॉनसून की काफी सुखद तस्वीरें दिखाई हैं। इन्हें देखकर पिछले कुछ दिनों से चली आ रही सबसे बड़ी टेंशन दूर हो जाएगी। सैटेलाइट की तस्वीरों ने मॉनसून की जबर्दस्त वापसी दिखाई है, ऐसे में 125 साल में 5वें सबसे ज्यादा सूखे रहे जून की भरपाई होने की संभावना है। इसरो ने बुधवार को सैटेलाइट से ली गई तस्वीरें जारी की हैं। इनमें साफ दिख रहा है कि अब उत्तर भारत में मानसून के घने बादल बहुत तेजी से फैल रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई की शुरुआत में अब मानसून जोर पकड़ रहा है और आने वाले दिनों में अच्छी बारिश हो सकती है। इसरो की सैटेलाइट की इंफ्ररेड तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि मध्य भारत से लेकर उत्तर भारत के मैदानी इलाकों तक घने बादल छाए हुए हैं। बंगाल की खाड़ी से मौसम के बड़े बदलाव आ रहे हैं जिससे मानसून एकाएक सक्रिय हो गया है। इसके अलावा देखा भी जा रहा है कि इन बादलों की वजह से उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में अच्छी बारिश हो रही है। 2 जुलाई को दिल्ली समेत आसपास के इलाकों में भी बारिश की शुरुआत हो गई।

सैटेलाइट तस्वीरों में इस हफ्ते करीब 1500 किलोमीटर लंबी लगातार बारिश वाली बादलों की पट्टी दिखी जो पश्चिम बंगाल से लेकर जम्मू-कश्मीर तक फैली हुई थी। यह बताता है कि बादल बिखरे हुए नहीं हैं, बल्कि एक लंबी कतार में जुड़े हैं और अगर एक बार मॉनूसन की बारिश शुरू होती है तो फिर वह छिटपुट नहीं होगी बल्कि लगातार और मूसलाधार होगी। इसका फायदा जमीन, खेत, किसान और मौसम को होगा। गर्मी से राहत मिलेगी और सूखे की आशंकाओं पर भी विराम लगेगा। लिहाजा अब अल नीनो के असर से घबराने की जरूरत नहीं है। इन तस्वीरों से साफ है कि मौसम अब राहत देने के मूड में है और जुलाई में जून की भरपाई हो सकती है।

अमरनाथ यात्रा शुरु, जम्मू-कश्मीर एलजी ने हरी झंडी दिखाकर पहले जत्थे को किया रवाना

-बम-बम भोले के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं में उत्साह, प्रशासन ने किए सुरक्षा इंतजाम

जम्मू (एजेंसी)। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए बहुप्रतीक्षित श्री अमरनाथ यात्रा 2026 का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास बेस कैंप से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तीर्थयात्रियों का काफिला बालटाल और पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

यात्रा के पहले दिन भगवती नगर बेस कैंप में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। प्रशासन की ओर से यात्रियों के पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और अन्य औपचारिकताएं पूरी कर उन्हें निर्धारित वाहनों से उनके गंतव्य की ओर भेजा गया। सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में पूरे काफिले की आवाजाही सुनिश्चित की गई। इस साल यह यात्रा 57 दिनों तक चलेगी। श्रद्धालु समुद्र तल से करीब 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा तक दो मार्गों से पहुंचेंगे। इनमें अनंतनाग जिले का पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले का 14 किलोमीटर लंबा, लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाला बालटाल मार्ग शामिल है। दोनों मार्गों से यात्रा एक साथ संचालित की जाएगी।

यात्रा को लेकर जम्मू रेलवे डिवीजन ने भी तैयारियां की हैं। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए हैं। भीड़ प्रबंधन, टिकट जांच, सुरक्षा निगरानी और जरूरी सेवाओं को लेकर विशेष योजना लागू की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जम्मू के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने बताया कि अमरनाथ यात्रा जम्मू-कश्मीर ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए अहम धार्मिक आयोजन है। इसे देखते हुए रेलवे ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यात्री सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए रेलवे स्टेशन और अन्य प्रमुख स्थानों पर पेयजल, भोजन, विश्राम और सहायता केंद्र जैसी जरुरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यात्रियों को सही जानकारी और मार्गदर्शन देने के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए हैं। प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है और पूरे मार्ग पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सहायता के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। प्रशासन को उम्मीद है कि इस साल भी यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप प्रशासन ने न्यूयॉर्क की मेडिकेड धोखाधड़ी जांच इकाई की फंडिंग रोकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने न्यूयॉर्क की मेडिकेड फ्रॉड कंट्रोल यूनिट की संघीय फंडिंग 30 सितंबर तक रोक दी है। स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के महानिरीक्षक ने आरोप लगाया कि एजेंसी ने धोखाधड़ी के मामलों में पर्याप्त आरोप तय और दोषसिद्धि नहीं कराई। हालांकि न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि उनके कार्यालय ने मेडिकेड धोखाधड़ी के मामलों में 627 मिलियन डॉलर से अधिक की वसूली की है। राज्य सरकार ने इस कार्रवाई को राजनीतिक बताया और कहा कि फैसले के खिलाफ सभी कानूनी विकल्प अपनाए जाएंगे।

इंडोनेशिया के पूर्व शिक्षा मंत्री को भ्रष्टाचार में 10 साल का कारावास

जुसंतारा, एजेंसी। इंडोनेशिया की एक अदालत ने पूर्व शिक्षा मंत्री व राइड-हेलिंग और पेमेंट कंपनी गोजेक के सह-संस्थापक नादिम अनवर मकारिम को भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराया और 10 साल के कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने पाया कि मकारिम ने अपने कार्यकाल के दौरान स्कूलों के लिए गूगल क्रोमबुक (लैपटॉप) खरीदने के लिए अपने मंत्रालय पर दबाव डाला था और अमेरिकी टेक कंपनी गोजेक की मूल कंपनी में निवेश करने पर विचार कर रही थी।

सॉन्डरलिंग स्थायी श्रम मंत्री नामित किए गए

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कीथ सॉन्डरलिंग को श्रम मंत्री के पद पर नामित करने की घोषणा की है। इससे पहले वह कार्यवाहक श्रम मंत्री के रूप में कार्य कर रहे थे। यह नियुक्ति पूर्व श्रम मंत्री लोरी चावेज-डीरमर के पद छोड़ने के दो माह बाद की गई है। उन्होंने सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों के बीच इस्तीफा दे दिया था। सॉन्डरलिंग पेशे से वकील हैं।

अमेरिका ने मेक्सिको के जलिस्को कार्टेल पर कसा शिकंजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने मेक्सिको के कुख्यात जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कार्टेल से जुड़े दो लोगों और नौ कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन पर ईंधन की तस्करी और टैक्स चोरी के जरिए कार्टेल के लिए हर साल करोड़ों डॉलर जुटाने का आरोप है। साथ ही अमेरिकी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को ऐसे लेनदेन की पहचान के लिए अलर्ट जारी किया गया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह कार्टेल अब केवल मादक पदार्थों की तस्करी ही नहीं, बल्कि ईंधन तस्करी जैसे अवैध कारोबार से भी कमाई कर रहा है।

न्यूयॉर्क के स्कूल की चिमनी में मिले इंसानी अवशेष, जांच शुरू

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के क्वींस इलाके में एक सरकारी स्कूल की चिमनी से इंसानी अवशेष मिलने के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, यह पता नहीं चल सका है कि अवशेष कितने पुराने हैं और वहां कैसे पहुंचे। घटना की जांच की जा रही है, जबकि मौत के कारण का पता मेडिकल एग्जामिनर लगाएंगे। स्कूल में उस समय कोई छात्र मौजूद नहीं था, क्योंकि गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और इमारत में मरम्मत का काम हो रहा है। शिक्षा विभाग ने घटना को बेहद चिंताजनक बताते हुए पुलिस जांच में सहयोग की बात कही।

इटली में पीएम जॉर्जिया मेलोनी लाईं नया चुनावी फॉर्मूला, विपक्ष बता रहा तानाशाह

रोम, एजेंसी। इटली में अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले बहुत बड़ा राजनीतिक बदलाव होने जा रहा है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी एक ऐसा नया चुनावी फॉर्मूला लेकर आई हैं जिससे देश का पूरा चुनावी सिस्टम बदल जाएगा। प्रधानमंत्री इसे राजनीतिक स्थिरता के लिए जरूरी कदम बता रही हैं जबकि विपक्ष इसे पूरी तरह से तानाशाही रवैया कह रहा है। मेलोनी का दावा है कि अगर यह नया प्रस्ताव लागू होता है तो इटली में हमेशा के लिए राजनीतिक स्थिरता आ जाएगी। इटली यूरोप के सबसे अस्थिर देशों में से एक है जहां पिछले पच्चीस साल में 10 प्रधानमंत्री हो चुके हैं। मेलोनी 11वीं प्रधानमंत्री हैं और यहां ज्यादातर नेता अपना पांच साल का कार्यकाल भी पूरा नहीं कर पाते हैं। इस नए सिस्टम में आनुपातिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था की गई है जिसे मेजोरिटी प्राइज या बोनस का नाम दिया गया है। संसद में 17.5% अतिरिक्त बोनस सीटें हासिल करने के लिए गठबंधन को कम से कम 42% वोट हासिल करने होंगे। अगर कोई गठबंधन 42% वोट नहीं लाता है तो सीटों का बंटवारा वोट शेयर के हिसाब से ही किया जाएगा।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई अस्पतालों पर भारी दबाव; कैसे बढ़ा बीमारियों का खतरा?

काराकास, एजेंसी। दो जबरदस्त भूकंपों के लगभग एक हफ्ते बाद वेनेजुएला का पहले से कमजोर स्वास्थ्य तंत्र अपनी क्षमता की सीमा तक पहुंच गया है। राहत संगठनों ने मंगलवार को चेतावनी दी कि क्षतिग्रस्त और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे अस्पताल घायलों से भर चुके हैं, जबकि आपदा प्रभावित इलाकों में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

मंगलवार को कितने लोगों को बचाया गया : इस बीच, सरकार ने बताया कि पिछले तीन दिनों में आधिकारिक तौर पर बचाए गए लोगों की संख्या में भारी गिरावट आई है। भूकंप के बाद शुरुआती दो दिनों में 5,380 लोगों को बचाया गया था, जबकि सोमवार को अधिकारियों को केवल चार लोग जिंदा मिले। भूकंप के बाद जीवित लोगों को खोजने का सबसे अहम समय आमतौर पर 48 से 72 घंटे माना जाता है, लेकिन तापमान और पानी या भोजन की उपलब्धता जैसे कारकों के आधार पर इससे ज्यादा समय तक भी कोई जीवित रह सकता है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज ने बताया कि मंगलवार दोपहर तक बचाए गए लोगों में केवल एक छोटा बच्चा जिंदा मिला, जो छह दिनों तक गिरी हुई इमारत के मलबे में फंसा रहा। इन आंकड़ों में देशभर में स्वयंसेवी समूहों द्वारा किए गए कई बचाव अभियान शामिल नहीं हैं। सरकार की धीमी प्रतिक्रिया से निराश होकर इन समूहों ने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के पहुंचने से कई दिन पहले ही अपने फंसे हुए परिजनों को बचाने के लिए अभियान शुरू कर दिया था।

कितनी हुई मृतकों की संख्या : सरकार के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 1,900 से ज्यादा हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा वास्तविकता से काफी कम हो सकता है, क्योंकि हर दिन मलबे से और शव निकाले जा रहे हैं तथा मुर्दाघरों में शव रखने की जगह भी कम पड़ रही है। जीवित बचे लोगों के बीच मानवीय संकट गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने हजारों बेघर लोगों की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंता जताई है। ये लोग कई दिनों से खुले आसमान के नीचे या भीड़भाड़ और गंदगी वाले अस्थायी ठिकानों पर रहने को मजबूर हैं।

भूकंप से अब तक कितने लोग हुए प्रभावित : जिनेवा में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रवक्ता क्रिश्चियन लिंडमेयर ने कहा कि दशकों से कम निवेश और वर्षों के आर्थिक संकट से जूझ रही वेनेजुएला की स्वास्थ्य व्यवस्था अब अभूतपूर्व दबाव में है। अचानक बढ़े ट्रॉमा के मामलों ने अस्पतालों की क्षमता को पूरी तरह चुनौती दे दी है। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी की प्रवक्ता कार्लोटा वोल्फ ने बताया कि वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार भूकंप से 15,800 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। यह आंकड़ा उन लोगों का है जो बेघर हो चुके हैं। कई लोग कारों, पार्कों और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताने को मजबूर हैं। वोल्फ ने कहा कि यह संख्या आगे और बढ़ सकती है। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य ला गुएरा, जो राजधानी काराकास के पास समुद्र तटीय क्षेत्र में स्थित है, वहां बड़ी संख्या में लोग भोजन और पेयजल की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। लिंडमेयर ने कहा कि शौचालय, स्नान की सुविधा और साबुन जैसी बुनियादी चीजों की कमी के कारण बेघर लोगों में खसरे जैसी रोकी जा सकने वाली बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि वहां पहले से ही टीकाकरण की दर कम है। इसके अलावा डेंगू, पीला बुखार और मलेरिया जैसी जलजनित और मच्छर जनित बीमारियों के फैलने के लिए भी हालात अनुकूल हैं।

सरकार के अनुसार, पिछले सप्ताह आए भूकंपों से देशभर में 38 अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए हैं या उनका कामकाज प्रभावित हुआ है। डब्ल्यूएचओ ने अब तक इनमें से 21 अस्पतालों का आकलन किया है। इनमें तीन अस्पताल पूरी तरह बंद हो चुके हैं, छह को गंभीर नुकसान पहुंचा है और बाकी अस्पताल घायलों की लगातार बढ़ती संख्या से जूझ रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि मलबे में कई विशेषज्ञ डॉक्टर लापता हैं, जिनमें ला गुएरा में प्रसूति देखभाल के प्रभारी अधिकारी भी शामिल हैं। इससे उस देश में स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौती और बढ़ गई है, जहां से हाल के वर्षों में डॉक्टरों और नर्सों सहित लगभग 80 लाख लोग देश छोड़ चुके हैं। लिंडमेयर ने कहा, 'प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि मरीजों के इलाज और अस्पतालों तक पहुंच की व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित हो गई है। अस्पतालों में अत्यधिक भीड़ है, सर्जरी लंबित हैं और जैव सुरक्षा मानकों का भी ठीक से पालन नहीं हो पा रहा है।' मंगलवार को ला गुएरा और आसपास के इलाकों में गैर सरकारी संगठनों की सक्रियता साफ दिखाई दी। रेड क्रॉस, वर्ल्ड फूड प्रोग्राम और अन्य संगठनों ने फुटपाथों, समुद्र किनारे बने रास्तों और खेल परिसरों में राहत शिविर लगाए।

पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं: 'दमन न रुका तो भारत के साथ जाएंगे'

रावलकोट , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में इस्लामाबाद के नियंत्रण को बड़ा झटका लगा है। महंगाई, आर्थिक संकट, जरूरी खाद्य पदार्थों और राशन की आपूर्ति पर रोक व प्रशासनिक विफलता से भड़के हजारों प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान को सीधी चुनौती देते हुए मंच से खुलेआम कहा कि पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। अगर उनके दमन का सिलसिला नहीं रुका, तो वे स्थायी रूप से भारत के साथ जाने पर विचार कर सकते हैं। पाकिस्तान के प्रशासनिक दमन के खिलाफ पीओके के रावलकोट के ईदगाह मैदान में हजारों लोग 22 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। पीओके में नागरिक विद्रोह का नेतृत्व कर रहे नागरिक अधिकार आंदोलनकारी सरदार अमन खान ने ईदगाह मैदान में उमड़े जनसैलाब के सामने कहा कि पीओके पाकिस्तान का नहीं है। हमें पाकिस्तान की जरूरत नहीं है, बल्कि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व के लिए पीओके की जरूरत है। नौ जून से प्रदर्शनकारियों का एक समूह नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास धरने पर है। अमन खान ने संकेत दिया कि मौजूदा हालात ऐसे बने रहे, तो स्थानीय लोग भारत के साथ घनिष्ठ संबंध तलाश सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पीओके की सीमाएं खुल सकती हैं और ऐसा हुआ, तो इस्लामाबाद को पीओके के लोगों से रुकने की भीख मांगनी पड़ेगी। पीओके में दशकों के राजकीय दमन, महंगाई व प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ 38 सूत्रीय मांगों को लेकर जन विद्रोह शुरू हुआ है। वे पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहे हैं। पीओके की जमीनी हकीकत दुनिया के सामने न आए, इसके लिए पाकिस्तानी सरकार ने 5 जून से क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं बंद कर रखी हैं। आवाज दबाने के लिए नागरिकों पर जुल्म किया जा रहा है। पीओके प्रवासी विद्रोह के समर्थन में अलग-अलग देशों में पाकिस्तानी दूतावासों और उच्चायोगों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। उधर, आंदोलनकारियों ने साफ कह दिया है कि यह विद्रोह मुजफ्फराबाद समेत सभी हिस्सों के पाकिस्तानी कब्जे से आजादी मिलने से पहले नहीं थमेगा।

भारतीय-अमेरिकी सांसद खन्ना बोले- 30 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंचे दोनों देशों के संबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेहद विनाशकारी नीतियों के कारण भारत-अमेरिका संबंध पिछले 30 वर्षों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। यह बात भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा, हाल ही में उनकी चीन यात्रा के दौरान वहां भारत के राजदूत ने उनसे कहा कि ट्रंप की नीतियों की वजह से दोनों देशों के बीच भरोसा खत्म हो गया है। रो खन्ना ने कहा मैं बातों को घुमा-फिराकर कहने वालों में से नहीं हूं। चीजें जैसी हैं मैं उन्हें वैसा ही बताता हूं। अमेरिका-भारत संबंध पिछले 30 वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। ईरान के साथ युद्ध में शामिल होने की ट्रंप की नीति बेहद विनाशकारी साबित हुई है। इसका भारत में पेट्रोल-गैस दामों पर भी बुरा असर पड़ा है। अगर आपको मेरी बात पर भरोसा नहीं है, तो विदेश मंत्री एस. जयशंकर से पूछ लीजिए। रो खन्ना ने ट्रंप की ईरान और क्यूबा को धमकाने तथा ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की नीतियों की भी कड़ी आलोचना की। वह बोले अमेरिका नैतिक नजरिया भूल गया है। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, उभरती प्रौद्योगिकियां भारत-अमेरिका सहयोग के अगले चरण को परिभाषित करेंगी। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) सम्मेलन में बोलते हुए क्वात्रा बोले, भारत ने खुद को उन कंपनियों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित किया है, जो पारंपरिक विनिर्माण केंद्रों से आगे बढ़कर अपने उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाना चाहती हैं। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी, एआई और सेमीकंडक्टर को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में सूचीबद्ध करते हुए कहा, भारत ने इन रणनीतिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाया है। इसका नतीजा यह हुआ कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में उसकी भूमिका और मजबूत हो गई। क्वात्रा ने बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर बाधा के दौर में भारत को वैश्विक आर्थिक वृद्धि और स्थिरता का अनिवार्य आधार बताया। उन्होंने कहा, भारत के आर्थिक परिवर्तन ने उसे विकसित होती वैश्विक व्यवस्था के केंद्र में ला खड़ा किया है वह विकसित-उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए विश्वसनीय साझेदार है।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान पर बड़ा पलटवार, आईएसआईएस के ठिकानों पर की भयंकर बमबारी

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। तालिबान सरकार ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तानी सीमा के भीतर घुसकर आतंकी संगठन आईएसआईएस के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। इन आतंकी ठिकानों से अफगानिस्तान के निर्दोष नागरिकों पर जानलेवा हमलों की बहुत गहरी साजिश रची जा रही थी। यह दावा पाकिस्तान के हालिया हवाई हमलों के ठीक दो दिन बाद सामने आया है, जिससे दोनों देशों में तनाव बढ़ा है।

तालिबान का कहना है कि यह बहुत बड़ी सैन्य कार्रवाई पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में की गई है। अफगान न्यूज चैनल टोलो न्यूज ने भी तालिबान के इस बहुत बड़े और अहम दावे की पूरी तरह से पुष्टि कर दी है। तालिबान के ड्रोन विमानों ने सीधे उन ठिकानों पर बमबारी की जहां खतरनाक आतंकी छिपकर रह रहे थे। खैबर पख्तूनख्वा के सरान इलाके में आतंकियों के गुप्त ठिकाने वाले एक स्कूल को पूरी तरह से मलबे में तब्दील कर दिया गया है।

आम नागरिकों को कोई नुकसान नहीं : तालिबान ने साफ किया है कि इस भीषण ड्रोन हमले में कई खतरनाक आतंकी ढेर हुए हैं। इस पूरी सैन्य कार्रवाई में किसी भी आम नागरिक को बिल्कुल कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यह बड़ा एक्शन रविवार को पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान पर की गई बमबारी का नतीजा माना जा रहा है। दो दिन पहले पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा में घुसकर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए थे।

पाकिस्तानी हमले में हुई थीं मौतें संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की उस कार्रवाई में कम से कम 28 बेकसूर लोग मारे गए थे। वहीं अफगानिस्तान के सरकारी प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने मरने वाले नागरिकों की कुल संख्या 38 बताई थी। इन पाकिस्तानी हमलों में जान गंवाने वालों में कई बेकसूर महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल थे। तालिबान के इस ताजा एक्शन को उसी पाकिस्तानी हमले का एकदम सीधा और करारा जवाब माना जा रहा है। सोमवार को भारत सरकार ने भी इस बेहद गंभीर मामले पर अपनी बहुत कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक अहम बयान जारी कर अफगानिस्तान पर हुए पाकिस्तानी हमलों की निंदा की। भारत का कहना है कि किसी दूसरे देश की सीमा में घुसकर हमला करना उसकी संप्रभुता का सीधा उल्लंघन है। इससे पूरे इलाके की शांति खतरे में पड़ती है और तनाव काफी हद तक बढ़ जाता है।

आतंकवाद पर एक-दूसरे पर आरोप : भारत ने साफ कहा कि पाकिस्तान अपनी नाकामियों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे हमले करता है। पाकिस्तान हमेशा की तरह आरोप लगा रहा है कि अफगानिस्तान कई खूंखार आतंकियों को पनाह दे रहा है। जबकि तालिबान का कहना है कि आतंकवाद पाकिस्तान की खुद की पैदा की हुई अंदरूनी भयंकर समस्या है। अब इस ताजा एयरस्ट्राइक के बाद दोनों मुल्कों के बीच भयानक जंग का खतरा और ज्यादा बढ़ गया है।

ट्रंप की नई सियासी चाल: चुनाव से चार माह पहले डलास में बड़े जलसे का एलान, क्या है रिपब्लिकन खेमे की रणनीति?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि रिपब्लिकन पार्टी मध्यावधी चुनावों से पहले अपना पहला राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगी। यह एक अनोखा राजनीतिक आयोजन होगा, जिसका उद्देश्य आगामी मध्यावधी चुनावों में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना और कांग्रेस में पार्टी का नियंत्रण बरकरार रखने के लिए समर्थन जुटाना है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह राष्ट्रीय सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को टेक्सास के डलास शहर में आयोजित किया जाएगा।

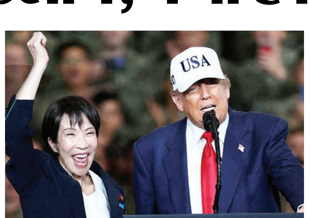

राष्ट्रपति चुनाव की तर्ज पर सम्मलेन की तैयारी : आमतौर पर अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियां राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बड़े राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करती हैं, लेकिन ट्रंप लंबे समय से मध्यावधी चुनावों से पहले भी इसी तरह का आयोजन करने के पक्षधर रहे हैं। उनका मानना है कि इससे हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की अहम सीटों पर मतदाताओं का ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस के किसी भी सदन में बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ने से रोक सकते हैं। साथ ही उनके कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में प्रशासन की व्यापक जांच-पड़ताल भी शुरू कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस में रिपब्लिकन का बहुमत बेहद मामूली है। अमेरिकी राजनीति में आमतौर पर सत्तारूढ़ पार्टी मध्यावधी चुनावों में सीटें गंवाती है। इस बार ट्रंप स्वयं चुनावी बैलेट पर नहीं होंगे, इसलिए पार्टी नेतृत्व को अपने समर्थकों को मतदान के लिए प्रेरित करने की अतिरिक्त चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप को उम्मीद है कि यह कन्वेंशन पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं में नया उत्साह पैदा करेगा। वह पिछले वर्ष से ही इस योजना पर चर्चा कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन इस आयोजन के जरिए '2024 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद से किए गए बेहतरीन कामों' को जनता के सामने रखेंगे। डलास में सम्मेलन आयोजित करने से टेक्सास की महत्वपूर्ण सीनेट सीट पर भी राष्ट्रीय ध्यान जाएगा। यहां डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जेम्स टैलारिको का मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार केन पैक्सटन से होगा। केन पैक्सटन वर्तमान में टेक्सास के अटॉर्नी जनरल हैं। उन्होंने ट्रंप के समर्थन से इस वर्ष रिपब्लिकन प्राइमरी में लंबे समय से सीनेटर रहे जॉन कॉर्निन को हराया था। हालांकि, रिपब्लिकन रणनीतिकारों को आशंका है कि पैक्सटन से जुड़े पुराने विवाद जिनमें विवाहेतर संबंधों के आरोप, महाभियोग और सिक्योरिटीज़ फ्रॉड का मामला शामिल है उनकी चुनावी संभावनाओं को प्रभावित कर सकते हैं और आसान मानी जा रही सीट को मुश्किल बना सकते हैं।

लाहौर में ट्यूशन सेंटर की छत गिरी, 14 बच्चों की दर्दनाक मौत और 20 घायल

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान से एक बहुत ही दर्दनाक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। लाहौर के काहना नौ इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत में चल रहे प्राइवेट ट्यूशन सेंटर की छत अचानक भरभराकर गिर गई। इस भयानक हादसे में भारी मलबे के नीचे दबकर 14 मासूम स्कूली बच्चों की बेहद दर्दनाक मौत हो गई है। इसके अलावा 20 अन्य बच्चे और एक महिला टीचर भी इस भीषण हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

यह दर्दनाक हादसा उस समय हुआ जब 7 से 13 साल के करीब 30 बच्चे इस सेंटर में बैठकर अपनी पढ़ाई कर रहे थे। घटना की भयानक सूचना मिलते ही पुलिस और रेस्क्यू टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गई और अपना बचाव कार्य शुरू कर दिया। एधी फाउंडेशन और अन्य बचाव दल मलबे में फंसे बाकी मासूम बच्चों की बहुत ही तेजी से तलाश कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने सभी घायलों को तुरंत लाहौर जनरल अस्पताल में भर्ती कराया है जहां पर अब इमरजेंसी घोषित कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह दर्दनाक घटना लाहौर के घनी आबादी वाले इलाके काहना नौ की ईद गाह कॉलोनी में घटी है। जिस इमारत में इलाके की एक महिला यह प्राइवेट ट्यूशन सेंटर चला रही थी उसके एक हिस्से में निर्माण कार्य भी चल रहा था। हादसे के समय मजदूर वहां अपने काम में पूरी तरह व्यस्त थे तभी अचानक निर्माणाधीन छत मासूम बच्चों के ऊपर गिर गई। इस भयानक लापरवाही के कारण कई मासूम बच्चों की जान चली गई और घटनास्थल पर चारों तरफ चीख-पुकार मच गई।

लाहौर के डीआईजी ऑपरेशंस फैसल कामरान ने पत्रकारों को बताया कि मलबे से अब तक 14 बच्चों के शव निकाले जा चुके हैं। पुलिस ने इस भयंकर लापरवाही के मामले में तुरंत और सख्त कार्रवाई करते हुए जिम्मेदार ठेकेदार को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस पूरी घटना की बहुत ही बारीकी से जांच की जा रही है ताकि असल दोषियों को सख्त सजा मिल सके। रेस्क्यू टीमें अभी भी घटनास्थल पर मौजूद हैं और बहुत ही सावधानी के साथ भारी मलबे को हटाने का काम कर रही हैं।

राहत और बचाव कार्य में जुटी प्रमुख संस्था एधी फाउंडेशन ने मौतों का आंकड़ा और अधिक बढ़ने की गहरी आशंका जताई है। उनका स्पष्ट कहना है कि अभी भी कुछ मासूम बच्चे इस भारी मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं जिनकी लगातार तलाश जारी है।

सीरिया में इजरायली सेना का भारी विरोध, बफर जोन में स्थानीय लोगों ने किया पथराव

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में इजरायली बफर जोन के तहत दक्षिणी सीरिया के अब्दिन गांव में हालात बहुत ज्यादा तनावपूर्ण हो गए हैं। स्थानीय लोगों और इजरायली सेना के बीच हाल ही में बहुत भारी बवाल देखने को मिला है। गुस्साए सीरियाई नागरिकों ने इजरायली सैन्य वाहनों को रोकने के लिए सड़कों पर चट्टानें डाल दीं और जमकर पत्थरबाजी की। इसके जवाब में इजरायली सैनिकों ने भी प्रदर्शनकारियों को डराने के लिए गोलियां चलाईं और बाद में गांव पर तोपखाने से गोले दागे।

संयुक्त राष्ट्र की निगरानी वाले 245 वर्ग किलोमीटर के बफर जोन पर इजरायल के कब्जे से यह पूरा विवाद शुरू हुआ है। अब्दिन गांव में रहने वाले लोगों का कहना है कि इजरायली सैनिक अक्सर उनके घरों में जबरन घुसते हैं और महिलाओं व बच्चों को डराते हैं। इस इलाके में पिछले 24 घंटों के भीतर हिंसा की दो बड़ी घटनाएं सामने आ चुकी हैं जिससे दहशत का माहौल है। सुरक्षा वार्ता रुकने के कारण इस सीमावर्ती क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग अपना घर छोड़कर पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं।

लगातार हो रही है भारी झड़प : अब्दिन गांव में हुई यह हिंसक झड़प पिछले 24 घंटों के अंदर तनाव की दूसरी बहुत बड़ी घटना थी। इससे पहले इजरायली सेना ने दक्षिणी सीरिया में दो बंदूकधारियों को मार गिराने का बहुत बड़ा दावा किया था। सीरियाई गांव हादर के मेयर इमाद हसून के अनुसार एक पिकअप ट्रक पर हमले में दो अज्ञात लोग मारे गए। इजरायली सैनिक इन दोनों अज्ञात लोगों के शवों को अपने साथ लेकर चले गए हैं जिससे गुस्सा और बढ़ गया है।

गांव वालों में खौफ का माहौल : स्थानीय निवासी मोहम्मद अल-हसन ने बताया कि इजरायली सैनिक नियमित रूप से बख्तरबंद गाड़ियों में गांव आते हैं। वे पूरे गांव में घूमते हैं और लोगों के घरों का दरवाजा न खोलने पर उसे जबरन तोड़कर अंदर घुस जाते हैं। सैनिकों की इस डरावनी कार्रवाई से गांव की महिलाओं और मासूम बच्चों में बहुत ज्यादा खौफ पैदा हो गया है। तोपखाने से दागे गए गोलों के डर से अब्दिन के कई नागरिक सोमवार को भी अपने घरों में वापस नहीं लौट सके।

बफर जोन पर इजरायल का कब्जा : दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के सत्ता से हटने के बाद इजरायल ने इस बफर जोन को नियंत्रण में लिया था। इजरायल का कहना है कि उग्रवादी हमलों को रोकने के लिए इस रणनीतिक क्षेत्र पर कब्जा बनाए रखना जरूरी है। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति अहमद अल-शराअ ने गोलाबारी की कड़ी निंदा करते हुए इजरायल से पीछे हटने की मांग की है। 66 वर्षीय किसान सोभी अल-तवलबी ने बताया कि सैन्य तनाव के कारण किसान अपनी फसलों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

ठप पड़ी है जरूरी सुरक्षा वार्ता : लोगों को उम्मीद थी कि अमेरिका की मध्यस्थता में फ्रांस में होने वाली सुरक्षा वार्ता से तनाव काफी कम होगा। लेकिन फिलहाल दोनों देशों के बीच यह महत्वपूर्ण कूटनीतिक बातचीत पूरी तरह से रुक गई है जिससे निराशा है। सुरक्षा की कमी, रोजगार के अभाव और बिजली-पानी की भारी किल्लत के कारण लोग तेजी से पलायन कर रहे हैं। सीरियाई नागरिकों का कहना है कि वे किसी के लिए खतरा नहीं हैं और सिर्फ शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नासिर नगर का ध्वस्तीकरण अवैध था, अधिकारियों ने हाईकोर्ट में माना

विस्थापितों के पुनर्वास पर राज्य सरकार से जवाब तलब

सूरत: राज्यभर में चर्चा का विषय बने सूरत के नासिर नगर ध्वस्तीकरण मामले में गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने अदालत के समक्ष स्वीकार किया कि नासिर नगर में किया गया ध्वस्तीकरण अवैध था। इसके बाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि बेघर हुए लोगों के पुनर्वास के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

100 से अधिक परिवारों के पुनर्वास पर मांगा जवाब

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और सूरत नगर निगम (SMC) से पूछा कि अवैध ध्वस्तीकरण के कारण बेघर हुए लगभग 100 परिवारों के पुनर्वास की क्या व्यवस्था की गई है। अदालत ने इस मामले में सरकार से विस्तृत जवाब मांगा है। राज्य सरकार ने पूरे मामले की गहन जांच के लिए समय मांगा है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 9 जुलाई को होगी।

अब तक FIR क्यों दर्ज नहीं हुई?

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए

पूछा कि इतने गंभीर मामले में अब तक FIR क्यों दर्ज नहीं की गई। अदालत ने कहा कि केवल कुछ अधिकारियों को निलंबित कर देने से जिम्मेदारी समाप्त नहीं हो जाती।

जांच में सहयोग नहीं करने वाले अधिकारी निलंबित

एडवोकेट जनरल ने अदालत को बताया कि प्रारंभिक जांच में SMC के जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर, डिप्टी इंजीनियर और दो एग्जीक्यूटिव इंजीनियरों के बयान लिए गए। ये सभी ध्वस्तीकरण के समय मौके पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया और घटना की जानकारी से इनकार किया। इसके चलते उन्हें निलंबित कर दिया गया है। अब विस्तृत जांच आगे बढ़ाई जाएगी।

सेंट्रल ज़ोन या नॉर्थ ज़ोन?

हाईकोर्ट ने पूछा कि नासिर नगर किस ज़ोन में आता है। एडवोकेट जनरल ने कहा कि यह सेंट्रल ज़ोन में आता है। वहीं याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि प्रभावित लोगों के प्रॉपर्टी टैक्स बिल पर नॉर्थ ज़ोन लिखा हुआ है।

राज्य सरकार की भूमिका पर हाईकोर्ट के सवाल

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि:

*** इस मामले में सरकार की क या**

जिम्मेदारी है?

*** दोषियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हुई?**

*** जांच समिति डिप्टी म्यूनिसिपल कमिश्नर की अध्यक्षता में ही क्यों बनाई गई?**

*** स्थानीय अधिकारी बिना किसी उच्च स्तर के समर्थन के ऐसा कदम कैसे उठा सकते हैं?**

अदालत ने कहा कि सरकार को मामले की तह तक जाकर यह पता लगाना चाहिए कि इस पूरे घटनाक्रम में कौन-कौन शामिल था।

सिर्फ निलंबन से काम नहीं चलेगा

हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि 100 परिवार बेघर हो गए और ऐसे मामले में केवल अधिकारियों का निलंबन पर्याप्त नहीं है। अदालत ने कहा कि निलंबन के बाद अक्सर अधिकारी कुछ महीने घर पर रहते हैं और विभागीय जांच वर्षों तक चलती रहती है।

पुलिस से भी पूछा गया सवाल

हाईकोर्ट ने पुलिस से पूछा कि जब DCP स्तर क अधिकारी को पता था कि वहां केवल डिमार्केशन के लिए पुलिस बंदोबस्त लगाया गया है, तो फिर ध्वस्तीकरण कैसे हो गया? यदि अधिकारियों को यह भी पता नहीं चला कि डिमार्केशन की जगह ध्वस्तीकरण हो रहा है, तो यह गंभीर प्रशासनिक विफलता है।

सरकार का जवाब

राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि SOG के PI ने DCP को सूचना दी थी कि कुछ असामाजिक तत्व वहां इकट्ठा हो रहे हैं, जिसके बाद DCP मौके पर पहुंचे थे। सरकार ने यह भी कहा कि उस क्षेत्र में 26 से अधिक गंभीर मामलों के आरोपी रहते थे तथा कुछ दिन पहले 38 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को नासिर नगर से गिरफ्तार कर निर्वासित किया गया था।

सचिन के पालीगाम स्थित विराट कॉम्प्लेक्स में बड़ा हादसा टला, पहली मंजिल के आठ बाथरूमों का हिस्सा भरभराकर गिरा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सचिन क्षेत्र के पालीगाम स्थित विराट कॉम्प्लेक्स में सोमवार देर रात एक बड़ा हादसा टल गया। बिल्डिंग की पहली मंजिल पर स्थित करीब आठ कमरों के बाथरूमों का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह घटना रात करीब 2 से 3 बजे के बीच हुई।

गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, बिल्डिंग का एक हिस्सा गिरने के बाद स्थानीय लोगों में भय का माहौल है।

बताया जा रहा है कि यह इमारत वर्ष 2014 में निर्मित हुई थी। महज लगभग 12 वर्ष पुरानी बिल्डिंग का हिस्सा गिर जाने से निर्माण गुणवत्ता और संरचनात्मक सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

इस घटना के बाद उधना जोन-बी की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। मानसून से पहले जर्जर भवनों का सर्वेक्षण, निरीक्षण और आवश्यक नोटिस जारी किए जाने के दावे किए गए थे। ऐसे में प्रश्न उठ रहा है कि क्या विराट कॉम्प्लेक्स का भी सर्वेक्षण किया गया था? क्या इस इमारत को कोई नोटिस जारी की गई थी? यदि नोटिस जारी की गई थी, तो उसके बाद आवश्यक कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

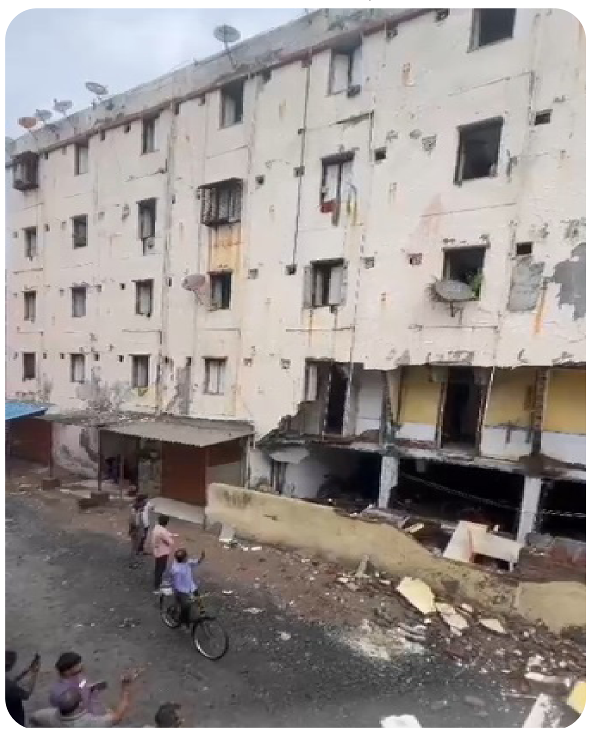

इस संबंध में अधिकारियों से बातचीत के दौरान उनका पक्ष यह बताया जा रहा है कि उन्होंने 'नोटिस जारी की थी।' हालांकि, यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि क्या केवल नोटिस जारी कर देना पर्याप्त माना जा सकता है, या उसके बाद प्रभावी कार्रवाई भी अपेक्षित थी।

इस घटना के बाद केवल इमारत की मजबूती ही नहीं, बल्कि संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली और जवाबदेही भी चर्चा के केंद्र में आ गई है। अब यह देखना होगा कि इस मामले में प्रशासन जांच के आदेश देता है या नहीं तथा जांच के बाद जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नोट: इमारत को नोटिस जारी किए जाने तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिका से जुड़े सभी बिंदु उपलब्ध प्रारंभिक जानकारी और उठ रहे सवालों के आधार पर प्रस्तुत किए गए हैं। इन तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि सक्षम प्राधिकारी की जांच के बाद ही हो सकेगी।

प्रशासन की पोल खुली!

बारिश ने उजागर की अव्यवस्था, गुजरात में सड़कें नहीं, गड्ढों और धंसाव का साम्राज्य

दिनों में शहर में सड़क धंसने की चार बड़ी घटनाएं, मनपा की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल
सूरत शहर और जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश का दौर जारी है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत:गुजरात में मानसून की शुरुआत के साथ ही सरकारी तैयारियों की पोल खुल गई है। सूरत, नवसारी, जूनागढ़ समेत कई जिलों में सड़कें जर्जर हो गई हैं और जगह-जगह गड्ढे तथा सड़क धंसने (सिंकहोल) की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि हजारों करोड़ रुपये के बजट के बावजूद लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सड़कें क्यों नहीं मिल पा रही हैं।

सूरत में सड़क धंसने की घटनाएं बनीं आम

सूरत शहर में सड़क धंसने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। डिंडोली गांव जाने वाले मुख्य मार्ग पर सात दिन पहले बना बड़ा गड्ढा अब तक पूरी तरह नहीं भरा गया है। प्रशासन ने केवल बैरिकेड लगाकर औपचारिकता पूरी कर दी है, जिससे स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

डिंडोली के G-9 सर्कल के पास सड़क धंसने से एक पानी के टैंकर का टायर गड्ढे में फंस गया। यह घटना प्री-मानसून तैयारियों की विफलता को साफ तौर पर दर्शाती है।

ड्रेनेज कार्य के बाद नहीं हुआ सही भराव

स्थानीय लोगों का आरोप है कि लगभग तीन महीने पहले यहां ड्रेनेज लाइन बिछाने का कार्य किया गया था, लेकिन खुदाई के बाद सड़क का सही तरीके से भराव नहीं किया गया। इसी वजह से बारिश के दौरान सड़क धंस गई और बड़ा गड्ढा बन गया।

करीब 12,000 करोड़ रुपये के बजट वाली सूरत महानगरपालिका की कार्यप्रणाली पर लोगों ने सवाल उठाए हैं और जिम्मेदार अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

डिप्टी मेयर ने दिए कार्रवाई के आश्वासन

घटना की जानकारी मिलने पर सूरत के डिप्टी मेयर सुधाकर चौधरी मौके पर पहुंचे। उन्होंने सड़क की तत्काल मरम्मत शुरू कराने का आश्वासन दिया। उनका कहना था कि मिट्टी बैठ जाने के कारण सड़क धंसी है। साथ ही उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा भी दिलाया। हालांकि स्थानीय लोग केवल ठेकेदार ही नहीं, बल्कि संबंधित अधिकारियों पर भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

दिनों में शहर में सड़क धंसने की चार बड़ी घटनाएं, मनपा की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

सूरत। सूरत शहर और जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश का दौर जारी है। बारिश के बीच एक बार फिर सूरत महानगरपालिका (मनपा) की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है। हर वर्ष मानसून की शुरुआत के साथ ही स्मार्ट सिटी के रूप में पहचान रखने वाला सूरत शहर सड़कों पर गड्ढों और धंसाव की घटनाओं के कारण चर्चा में आ जाता है।

ચેનલ આઈ વિટનેશ અને નવગુજરાત ટાઈમ્સના એમ.ડી ગણેશભાઈ સાવંતના માતૃશ્રી

સ્વ. સેવંતીબેન પાંડુરંગ સાવંતના સ્મરણાર્થ

શીરડી યાત્રાનો સેવાયજ્ઞ

■ ધાર્મિક યાત્રાએ ગયેલાં સિનીયર સિટીઝનોની ઘર વાપસી ■ બે લક્ઝરી બસોમાં 120થી વધુ વડીલોએ ધાર્મિક પ્રવાસનો લાભ મળ્યો

પ્રસંગે મહાનુભાવોનું સ્વાગત

શ્રી શીરડી સાઈબાબાના દર્શને

પ્રવાસ દરમ્યાન આનંદમય માહોલ

ચેનલ આઈ વિટનેસ અને નવગુજરાત ટાઈમ્સના મેનેજિંગ ડિરેક્ટર શ્રી ગણેશભાઈ પી. સાવંત દ્વારા તેમના માતૃશ્રી સ્વ. સેવંતીબેન પાંડુરંગ સાવંત ના સ્મરણાર્થે છેલ્લા સતત ૨૨ વર્ષથી સિનીયર સિટીઝનો માટે વિનામૂલ્યે ધાર્મિક પ્રવાસનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. જેમાં અંદાજે 120થી વધુ વડીલોએ પ્રવાસનો લાભ લીધો હતો.

તારીખ 28મી જુન ના રોજ રાત્રે 11 કલાકે 2 લક્ઝરી બસ ઉપડી હતી,જે પ્રસંગે કેન્દ્રીય જળશક્તિ મંત્રી શ્રી સી.આર.પાટીલ સાહેબના સુપુત્ર યુવ ફોર ગુજરાતના પ્રમુખ જીગ્નેશભાઈ પાટીલ, ભાજપ માજી ઉપપ્રમુખ છોટુભાઈ પાટીલ, ડીઆરબી કોલેજના ચેરમેન પંકજભાઈ પટેલ, તેમના સુપુત્ર જિનેશ પટેલ, ડો ઈકે પાટીલ , એડવોકેટ બીકેશભાઈ પાટીલ, જય અંબે વ્યસન મુક્તિ કેન્દ્રના સંચાલક એસ એ વિરાણી , સમાજ અગ્રણી જયેશ ધોલ્લેકર , ધર્મેશભાઈ તાંદલેકર, લક્ષ્મણભાઈ ડીગે, અશોકભાઈ દુધાણે, સંજયભાઈ દેવીલકર, દિપકભાઈ શિંદે , રાજેશ વાળંદ , સંતોષ ઉંહકર , રૂપેશ કોડાલકર, સંતોષ કદમ, જયેશ ધનાવડે , પત્રકાર સુરેશ મોચરા, સચિન પટેલ, સંદિપ પાર્ટે, આમોદ પાર્ટે, નિલેશ પરમાર એન્ડ ટિમ, શંકરભાઈ કાચવાલા , સુખાનંદ વ્યાયામ શાળાના મયુરભાઈ પ્રજાપતિ, નલિનીબેન શેડગે , અમીબેન કુડપાને, ઉર્મિલાબેન કદુ, હેલબેન જાદવ, તેજલબેન કદમ, જય ભવાની મહિલા મંડળ સહિત ગણેશભાઈ પી. સાવંતનો સમગ્ર પરિવાર, સમાજ આગેવાનો તેમજ ઓફિસ સ્ટાફ હાજર રહ્યા હતા.

29 મીનાં રોજ સવારે સપ્તસુંગી માતાજીના દર્શન કરીને પ્રવાસીઓ શીરડી સાંઈબાબા પહોંચ્યાં હતાં. 30મીએ શની શિંગણાપુર થઈ પરત શીરડી મુકામે રાત્રિ રોકાણ કરી 1 જુલાઈનાં રોજ મુક્તિધામ-નાશિકનાં દર્શન કરી મોડી રાત્રે 12 વાગ્યે તમામ પ્રવાસી સિનીયર સીટીઝનો પરત ફર્યાં હતા.

આ સમગ્ર યાત્રા દરમિયાન વડીલો માટે ચા, પાણી, નાસ્તો, અને રહેવા-જમવાની દરેક વ્યવસ્થાની સંપૂર્ણ જવાબદારી ગણેશભાઈ સાવંત અને તેમની ટીમ દ્વારા ભાવપૂર્વક સંભાળવામાં આવી.

આ પ્રવાસ માત્ર ધાર્મિક યાત્રા નહોતો, પરંતુ સેવા, લાગણી પરંતુ સેવા અને ભાવનાત્મ હતો. ગણેશભાઈએ સાચી સેવા કેવી હોય તેનું સુંદર ઉદાહરણ પુરું પાડ્યું. તેમણે પોતો ચા-નાસ્તો બનાવી વડીલોને પીરસ્યો અને દરેક વડીલની સુવિધા માટે સતત ખડેપગે સેવા બજાવી. પ્રવાસ દરમિયાન ગીત, સંગીત, ભક્તિ અને ગરબાના તાલે વડીલો આનંદમાં ઝુમી ઉઠ્યા હતા. સમગ્ર વાતાવરણને ભક્તિમય બનાવી દીધું હતું.

વડીલોના ચહેરા પરનું સ્મિત અને આંખોમાં દેખાતી ખુશી આ સેવાકાર્યની સૌથી મોટી સફળતા હતી. બસમાં હાજર સ્વયંસેવકોએ પણ ખુબ જ સરાહનીય કામગીરી બજાવી હતી. દરેક સ્વયંસેવકે વડીલોને પોતાના પરિવારના સભ્યો સમજીને સેવા આપી, જેના કારણે સમગ્ર પ્રવાસ સુખરૂપ, યાદગાર અને આનંદદાયક રહ્યો.

સેવા એ માત્ર દાન નથી, સેવા એ હૃદયની ભાવના છે. જ્યારે કોઈ વ્યક્તિ વડીલોની સેવા પોતાના માતા-પિતા સમજીને કરે છે, ત્યારે તે સેવા ઈશ્વરની પૂજા સમાન બની જાય છે. ગણેશભાઈ પી. સાવંત દ્વારા છેલ્લા ૨૨ વર્ષથી ચાલતું આ સેવાકાર્ય સમાજ માટે પ્રેરણાદાયક છે.

સ્વ. સેવંતીબેન પાંડુરંગ સાવંતના સ્મરણને સાચી શ્રદ્ધાંજલી આપવા માટે આનાંથી ઉત્તમ કાર્ય બીજું કોઈ હોઈ શકે નહીં.

આ સમગ્ર ધાર્મિક પ્રવાસ ખૂબ જ સુપુરૂપ, ભાવસભર અને આનંદદાયક રહ્યો. વડીલોએ ગણેશભાઈ સાવંત, તેમના પરિવાર અને સમગ્ર ટીમને હૃદયપૂર્વક આશીર્વાદ આપ્યા અને તેમના આ સેવાકાર્યને બિરદાવ્યું.

સેવા એ સૌથી મોટી પૂજા

સેવા એ માત્ર દાન નથી, સેવા એ હૃદયની ભાવના છે. જ્યારે કોઈ વ્યક્તિ વડીલોની પોતાના માતા-પિતા સમજીને કરે છે, ત્યારે તે સેવા ઈશ્વરની પૂજા સમાન બની જાય છે.

સ્વ. સેવંતીબેનને શ્રદ્ધાંજલી

સ્વ. સેવંતીબેન પાંડુરંગ સાવંતના સ્મરણને સાચી શ્રદ્ધાંજલી આપવા માટે આનાંથી ઉત્તમ કાર્ય બીજું કોઈ હોઈ શકે નહીં.

યાત્રાની વિશેષતાઓ

- બે લક્ઝરી બસ
- 120થી વધુ વડીલોએ લાભ લીધો
- ચા, પાણી, નાસ્તો, જમવની ઉત્તમ વ્યવસ્થા
- ભક્તિમય વાતાવરણ, ગીત-સંગીત અને ગરબા
- અનુભવી અને સેવાભાવી સ્વયંસેવકો

આભાર અને આશીર્વાદ

વડીલોએ ગણેશભાઈ સાવંત, તેમના પરિવાર અને સમગ્ર ટીમને હૃદયપૂર્વક આશીર્વાદ આપ્યા અને તેમના આ સેવાકાર્યને બિરદાવ્યું.

જય સાઈરામ | જય માતાજી

સેવા પરમો ધર્મઃ